सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 1 अंक : 314, नई दिल्ली,गुरुवार, 07, दिसंबर 2023 पेज : 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

शुभ संदेश

सुंदरता की तलाश में चाहे हम सारी दुनिया का चक्कर लगा आए, लेकिन अगर वह हमारे अंदर नही है तो फिर कहीं भी नही है।

'लेक क्वीन' क्रूज में मिलेगा 5 स्टार होटल का मजा, जल्द ले पाएंगे इसका आनंद...

फर्म के प्रबंध निदेशक राज कुमार राय उर्फ राजन राय ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को छोड़ सभी से एनओसी प्राप्त हो गई है। सितंबर माह में ही एनओसी के लिए आवेदन कर दिया गया था

गोरखपुर

रात और दिन के हिसाब से क्रूज का भाड़ा अलग-अल निर्धारित करने का निर्णय लिया गया है। रात में 1800 से 2000 रुपये भाड़ा रखने का निर्णय लिया गया है। जबकि दिन में 700 से 800 रुपया भाड़ा रखने पर विचार किया जा रहा है। क्रूज के प्रथम तल पर 65 लोगों की क्षमता वाला रेस्टोरेंट रहेगा। गोरखपुर शहरवासी जल्द ही रामगढ़ताल में आधुनिक सुविधाओं से लैस क्रूज ह्यलेक क्वीनह्ल का आनंद ले सकेंगे। क्रूज के इंटीरियर का काम पूरा हो चुका है। डबल डेकर क्रूज में एक साथ 150 लोगों के बैठने की क्षमता है। इसमें फाइव स्टार होटल की तरह सुविधा मिलेगी। रेस्टोरेंट और बार के साथ लिविंग रूम सहित अन्य सुविधाएं मिलेंगी। 10 दिसंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों इस 180 टन वजनी क्रूज लेक क्वीन के लोकार्पण की तैयारी है। फर्म के प्रबंध निदेशक राजकुमार राय उर्फ राजन राय, आर्किटेक्ट डिजाइनर नितिन पांडेय, अर्चिता अग्रवाल और शुभम जल्द से जल्द अधूरे कार्यों को पूरा कराने में जुटे हैं। क्रूज लेक क्वीन को इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग के मानक के अनुरूप तैयार किया गया है। इसमें सुरक्षा के सभी मानकों को पूरा किया गया है। दंगा भड़काने के दोषी परवेज परवाज को दो साल का कारावास, 20 साल बाद सजा दिलाने में सफल हुई पुलिस रात और दिन के हिसाब से क्रूज का भाड़ा अलग-अल निर्धारित करने का निर्णय लिया गया है। रात में 1800 से 2000 रुपये भाड़ा रखने का निर्णय लिया गया है। जबकि दिन में 700 से 800 रुपया भाड़ा रखने पर विचार किया जा रहा है। क्रूज के प्रथम तल पर 65 लोगों की क्षमता वाला रेस्टोरेंट रहेगा। जबकि द्वितीय तल पर बच्चों के मनोरंजन से जुड़ी सुविधाओं का ख्याल रखते हुए लाइव सिगिंग कल्चरल, एलईडी टीवी आदि लगा रहेगा। द्वितीय तल पर ही वीआईपी केबिन निर्माण किया गया है। वहीं, सबसे ऊपर ओपन रूफ टॉप एरिया रहेगा। उसपर 55 लोगों के बैठने का इंतजाम रहेगा। क्रूज के लिए करीब 78 लाख कीमत की कुर्सियां मंगाई गई हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से कार्रवाईः जमकर हो रहा भूगर्भ जल दोहन...122 होटल व बैंक्वेट हाल को भेजे नोटिस

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एनओसी का इंतजार

फर्म के प्रबंध निदेशक राज कुमार राय उर्फ राजन राय ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को छोड़ सभी से एनओसी प्राप्त हो गई है। सितंबर माह में ही एनओसी के लिए आवेदन कर दिया गया था लेकिन अभी तक मिल नहीं पाई है। एनओसी को लेकर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है।

क्रूज का वेस्ट बंगाल पोर्ट से हुआ है रजिस्ट्रेशन क्रूज लेक क्वीन का वेस्ट बंगाल के पोर्ट से रजिस्ट्रेशन कराया गया है। कलकत्ता पोर्ट ऑफ ट्रस्ट से रजिस्ट्रेशन नंबर डब्ल्यूबी 0017 प्राप्त हुआ है।

जनवरी तक बनकर तैयार हो जाएगा मोहद्दीपुर-पैडलेगंज रिंग रोड, जॉगिंग ट्रैक भी बनेगा

गोरखपुर

जीडीए वीसी आनंद वर्द्धन ने कहा कि पैड़लेगंज से मोहद्दीपुर तक रामगढ़ताल के किनारे रिंग रोड का निर्माण जनवरी तक पूरा करा लिया जाएगा। कार्य तेजी से कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, सहारा इस्टेट के बगल की रिंग रोड को मार्च तक पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है। गोरखपुर में रामगढ़ताल के किनारे मोहद्दीपुर से पैड़लेगंज तक रिंग रोड जनवरी 2024 तक बनकर तैयार हो जाएगा। सड़क को साढ़े सात मीटर की चौड़ाई में टू लेन बनाया जा रहा है। जीडीए ने दूसरे चरण में सहारा इस्टेट के सामने रिंग रोड को मार्च तक पूरा कराने का लक्ष्य रखा है। रिंग रोड के बन जाने से लोगों मार्निंग वॉक के लिए एक बेहतर स्थान तो मिलेगी ही, कुनराघाट से मोहद्दीपुर तक जाम झेलने वाले लोग वैकल्पिक रास्ते से फरार्टा भरते चले जाएंगे। रिंग रोड को पहले साढ़े तीन मीटर की चौड़ाई में बनाने की योजना थी, लेकिन बाद में जगह मिलने के बाद चौड़ाई बढ़ाकर साढ़े सात मीटर कर दी गई है। साथ ही डेढ़ मीटर का एक जागिंग ट्रैक बनाने की भी तैयारी है। रिंग रोड के लिए मिट्टी की भराई का काम लगभग पूरा हो चुका है। अब आरकेबीके की ओर से गिट्टी डालने का काम शुरू किया गया है। सड़क तैयार होने के बाद रामगढ़ताल की ओर रेलिंग लगाई जाएगी। सजावटी लाइटें लगाकर खूबसूरती बढ़ाई जाएगी। योजना के मुताबिक पैडलेगंज से मोहद्दीपुर तक और कुरनाघाट से सहारा इस्टेट तक टू लेन सड़क बनाने में करीब 40 करोड़ रुपये की लागत आएगी। जिला कोषागार का मामलाः यौन उत्पीड़न की जांच पूरी, बढ़ सकती हैं क्लर्क की मुश्किलें

साइकिल ट्रैक व स्ट्रीट फूड के स्टॉल भी लगेंगे

रामगढ़ताल रिंग रोड के किनारे साइकिल ट्रैक भी बनाया जाएगा। आगे चलकर स्ट्रीट फूड के स्टॉल भी लगाने की तैयारी है। इसके लिए भी जीडीए अधिकारियों ने जगह चिह्नित कर ली है। अब डिजाइन तैयार कराई जा रही है। जीडीए वीसी आनंद वर्द्धन ने कहा कि पैड़लेगंज से मोहद्दीपुर तक रामगढ़ताल के किनारे रिंग रोड का निर्माण जनवरी तक पूरा करा लिया जाएगा। कार्य तेजी से कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, सहारा इस्टेट के बगल की रिंग रोड को मार्च तक पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है। रिंग रोड बनने से लोगों को एक वैकल्पिक मार्ग मिल जाएगा और नया सवेरा की तरह ही घूमने-फिरने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध हो जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

शक्तिफार्म में सुबह पांच से रात 10 बजे तक भारी वाहनों की नो एंट्री

ऊधम सिंह नगर

शक्तिफार्म। क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए सुबह पांच बजे से रात 10 बजे तक भारी वाहनों की नो एंट्री लगा दी गई है। सीओ सितारगंज ने मंगलवार को जनप्रतिनिधियों व व्यापारियों के साथ चौकी परिसर में बैठक कर खनन व सिडकुल में आने-जाने वाले भारी वाहनों के लिए नो एंट्री लागू की।

बैठक के दौरान लोगों ने सीओ ओमप्रकाश शर्मा से मिट्टी खनन व सिडकुल में आने- जाने वाले भारी वाहनों पर सुबह पांच से रात 10 बजे तक नो एंट्री लगाने की मांग की। साथ ही सिडकुल व कुशमौठ तिराहे पर पीआरडी जवानों की तैनाती, नगर के मुख्य मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करने और क्षेत्र में स्मैक व शराब के धंधे पर अंकुश लगाने की बात भी रखी गई। सीओ सहमति जताते हुए कार्रवाई करने की बात कही। बैठक में सुनील विश्वास, कार्तिक राय, उत्तम आचार्य, रमेश राय, राजेंद्र डसीला, गोपाल सरकार, संजय बाछाड़, रविंद्र विश्वास आदि थे।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, बेटी की शादी के लिए जुमा किया सामान जला

प्रयागराज,सब्जी मंडी मोहल्ले में मंगलवार रात शार्ट सर्किट से एक मकान के ऊपर तल में आग लग गई। जब तक घरवालों को जानकारी होती है, तब तक आग ने पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया। आग से ऊपर कमरे में बेटी की शादी के लिए इकट्ठा किया गया सामान जल कर राख हो गया।

प्रयागराज के नैनी थाना इलाके में एक मकान में आग लग गई। आग से मकान में रखा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित ने बेटी की शादी के लिए सामान जमा किया था। आग से सारा सामान जल गया। जानकारी के अनुसार, सब्जी मंडी मोहल्ले में मंगलवार रात शार्ट सर्किट से एक मकान के ऊपर तल में आग लग गई। जब तक घरवालों को जानकारी होती है, तब तक आग ने पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया। आग से ऊपर कमरे में बेटी की शादी के लिए इकट्ठा किया गया सामान जल कर राख हो गया।

सब्जी मंडी निवासी कुसुम देवी पत्नी स्वर्गीय अंबे लाल गवर्नमेंट प्रेस से सेवानिवृत्ति है। जनवरी में उनकी बेटी गीता देवी का विवाह है। कुसुम देवी ने बताया कि बेटी की शादी की तैयारी को लेकर सामान खरीद के ऊपरी तल पर रखा हुआ था।

मंगलवार रात करीब 2:00 बजे अचानक ऊपर वाले कमरे से धुआं और आग की लपटें उठने लगी। जब तक परिवार के लोग कुछ समझ पाए आग ने पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची।

शहर में टेक्निकल सर्वे जारी, 80 मीटर गहराई तक ड्रिलिंग पूरी, नहीं मिली हार्ड रॉक

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने रिकवरी एंड रिकंस्ट्रक्शन योजना को मंजूरी दी।

चमोली

कंपनी की ओर से 13 नवंबर से टेक्निकल सर्वे शुरू किया गया था। सुनील वार्ड के अलावा सिंहधार वार्ड, मनोहरबाग वार्ड, मारवाड़ी सहित छह स्थानों पर ड्रिलिंग की जानी है। शहर में भू-धंसाव से प्रभावित क्षेत्रों में भार क्षमता का पता लगाने के लिए लोनिवि की ओर से नीदरलैंड की फुगरो कंपनी से जियो टेक्निकल ड्रिलिंग सर्वे कराया जा रहा है। सुनील वार्ड से औली रोड पर ड्रिलिंग सर्वे पूरा कर दिया है। 80 मीटर गहराई तक ड्रिलिंग के बाद भी यहां हार्ड रॉक नहीं मिली है। अब टीम के द्वारा मनोहर बाग वार्ड पर दूसरी ड्रिलिंग शुरू की जाएगी। कंपनी की ओर से 13 नवंबर से टेक्निकल सर्वे शुरू किया गया था। सुनील वार्ड के अलावा सिंहधार वार्ड, मनोहरबाग वार्ड, मारवाड़ी सहित छह स्थानों पर ड्रिलिंग की जानी है। लोनिवि के अधिशासी अभियंता राजवीर सिंह चौहान ने बताया कि 80 मीटर तक खुदाई की जा चुकी है, लेकिन अभी तक हार्ड रॉक नहीं मिली है। जोशीमठ पुनर्निर्माण के लिए केंद्र ने दी 1658 करोड़ की योजना को हरी झंडी केंद्र सरकार ने भू धंसाव से ग्रस्त जोशीमठ के पुनर्निर्माण के लिए 1658.17 करोड़ की योजना को हरी झंडी दिखा दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने रिकवरी एंड रिकंस्ट्रक्शन योजना को मंजूरी दी।

ट्रेनों में जगह नहीं मिली तो बसों में उमड़ी भीड़...तीन गुना किराया वसूल रहे निजी बस संचालक...

गोरखपुर

तिवारीपुर की रहने वाली शालिनी परिवार के साथ रेलवे बस स्टेशन पर पहुंची थीं, उनके साथ उनके पति और एक बच्चा था। इस बीच वह दिल्ली के लिए बस की तलाश करने लगी। करीब आधे घंटे के इंतजार के बाद उन्हें दिल्ली की बस मिली।

ट्रेनों की लेट लतीफी और लंबी वेटिंग से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। टिकट कंफर्म नहीं होने पर लोग मजबूरी में कई गुना अधिक किराया देकर निजी बसों से यात्रा कर रहे हैं। इसका फायदा निजी बस संचालक भी उठा रहे हैं। उन्होंने सीट की उपलब्धता के आधार पर किराया बढ़ा दिया है। वहीं, रोडवेज की बसों में भी यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है।

मंगलवार की अपराह्न तीन बजे रेलवे बस स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली। ज्यादातर दिल्ली की बसों में भीड़ नजर आई। इस बीच रोडवेज की बस में बशारतपुर के रहने वाले अनिल भी बैठे थे। अनिल से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि गोरखधाम ट्रेन की थर्ड एसी में उन्होंने टिकट कराया था, लेकिन उनका टिकट कंफर्म नहीं हुआ। बुधवार को दिल्ली पहुंचना जरूरी था ऐसे में रोडवेज की बस से दिल्ली जाना पड़ रहा है।

तिवारीपुर की रहने वाली शालिनी परिवार के साथ रेलवे बस स्टेशन पर पहुंची थीं, उनके साथ उनके पति और एक बच्चा था। इस बीच वह दिल्ली के लिए बस की तलाश करने लगी। करीब आधे घंटे के इंतजार के बाद उन्हें दिल्ली की बस मिली। शालिनी ने बताया कि रेलवे में टिकट की काफी लंबी वेटिंग चल रही है, ऐसे में हम लोगों ने बस से ही दिल्ली जाने का मन बनाया है।

निजी बसों से दिल्ली जाने के लिए यात्रियों को सामान्य तौर पर 1200 से 1800 रुपये तक खर्च करने होते हैं। लेकिन, इस समय वही किराया अब 3000 से 4000 रुपये तक बढ़ा दिए गए हैं। आजाद चौक के अष्टभुजा दुबे ने बताया कि उनका बेटा गाजियाबाद में पढ़ता है। ट्रेन में टिकट कंफर्म नहीं हो पाया तो निजी बस से भेजा। 4200 रुपये किराया देना पड़ा। बुधवार के लिए निजी शयन बस का अधिकतम किराया 4500 रुपये है।

मेरठ में 24 दिन बाद प्रदूषण से थोड़ी राहत, एक्यूआई 176 पर पहुंचा, कोहरा भी घटा

मेरठ

मेरठ जहां लगातार देश के सबसे प्रदूषित शहरों की श्रेणी में शुमार हो रहा था। वहीं 24 दिन बाद शहरवासियों को प्रदूषण से थोड़ी राहत मिली है। साथ ही सुबह के समय होने वाला कोहरा भी कम हुआ है। मेरठ में पिछले दिनों हुई हल्की बारिश के बाद से शहर का एक्यूआई धड़ाम हो गया है। 24 दिन बाद मेरठ का एक्यूआई 200 से नीचे दर्ज किया गया। एक्यूआई 176 दर्ज किया गया। हवा और दिन में धूप अच्छी होने पर एक्यूआई में गिरावट दर्ज की गई। मेरठ में खतरनाक स्तर तक पहुंचे एक्यूआई में लगातार गिरावट का दौर जारी है। पिछले चार दिन से एक्यूआई गिरता जा रहा है। 11 नंवबर को मेरठ का एक्यूआई 181 दर्ज किया गया था। इसके बाद एक्यूआई में लगातार बढोतरी का दौर चल रहा था और मेरठ का एक्यूआई 24 नवंबर को 424 पहुंच गया था। एक्यूआई में पिछले चार दिन से गिरावट आ रही है।

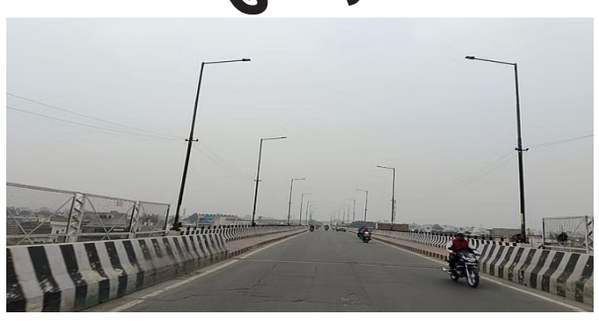

24 दिन बाद एक्यूआई 176 दर्ज किया गया। शहर में जयभीमनगर 176, गंगागनर 170 पल्लवपुरम 183, बेगमपुल 190, दिल्ली रोड 164 दर्ज किया गया। प्रदूषण के कम होने से शहरवासियों ने भी राहत महसूस की है। प्रदूषण सोमवार को ग्रीन श्रेणी में आ गया है। मौसम में अभी आगे भी बदलाव का दौर जारी रहेगा। सोमवार को मौसम कार्यालय पर दिन का अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री व रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही का कहना है कि हवा के चलने से कोहरा और प्रदूषण में सुधार हुआ है।

शिवा पंचायत में फर्नीचर की दुकान जली

शिमला

प्रदेश के सिरमौर जिले के शिवा पंचायत में फर्नीचर की दुकान जलकर राख हो गई। इसके अलावा साथ खड़ी ऑल्टो कार व एक बाइक भी राख में बदल गई।

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के शिवा पंचायत में फर्नीचर की दुकान जलकर राख हो गई। इसके अलावा साथ खड़ी ऑल्टो कार व एक बाइक भी राख में बदल गई। वहीं, एक पिकअप गाड़ी व बाइक आंशिक रूप से जल गई है। जानकारी के अनुसार शिवा गांव निवासी कपिल फर्नीचर की दुकान में आग लगी। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। दुकान मालिक ने बताया कि इस आग में उनका लगभग 10 लाख रुपये का नुकसान हो गया है।

आग लगने का पता लगते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। आग से दुकान में रखी कट्टर मशीन, 2 कम्प्रेशर जलकर राख हो गए हैं। प्रभावित कपिल ने बताया कि जब वह सुबह दुकान पर पहुंचे तो सब राख हो चुका था।

शिवा पंचायत की प्रधान बबिता परमार ने सरकार से उचित मुआवजे की मांग की है।

तहसीलदार पांवटा साहिब ने बताया कि पटवारी को मौके पर भेजकर रिपोर्ट बना दी है। जल्द ही उचित मुवावजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

दिन का पारा बढ़ा, दो महीने बाद सबसे कम प्रदूषण, आज चलेंगी तेज हवाएं

कानपुर

डॉ. पांडेय के अनुसार अगले पांच दिनों तक बीच-बीच में बादल रह सकते हैं। इस बीच शहर में प्रदूषण की मात्रा ग्रीन जोन में रही। महानगर में औसत प्रदूषण 69 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। कानपुर में पिछले दो दिनों से बादल और नम हवाओं के चलते महानगर व इसके आसपास के क्षेत्रों के तापमान में उतार-चढ़ाव चल रहा है। मंगलवार को दिन का तापमान 6.8 डिग्री बढ़कर 24.6 पर आ गया, तो रात का पारा 3.6 डिग्री लुढ़क कर 12 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सीएस के विभाग प्रमुख डॉ. एसएन पांडेय के अनुसार, मिचोंग चक्रवाती तूफान की वजह से बुधवार को तेज हवा के साथ दिन में ठंडक रहने की संभावना है। बताया कि बादल होने से धूप कम निकलेगी। इस बीच हवा में अधिकतम नमी 96 और न्यूनतम 66 प्रतिशत रही। दिन में 3.7 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चली। डॉ. पांडेय के अनुसार अगले पांच दिनों तक बीच-बीच में बादल रह सकते हैं। इस बीच शहर में प्रदूषण की मात्रा ग्रीन जोन में रही। महानगर में औसत प्रदूषण 69 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। इतना कम प्रदूषण पिछले दो महीने में पहली बार दर्ज हुआ है।

अयोध्या रूट की 16 ट्रेनें निरस्त, कई ट्रेनें बदले हुए रूट से चलेंगी

अयोध्या रूट पर पड़ने वाले स्टेशनों पर ट्रैक संबंधी कार्य की वजह से लखनऊ से होकर गुजरने वाली छह गाड़ियों समेत 16 ट्रेनें विभिन्न तारीखों में निरस्त रहेंगी। कई ट्रेनों का रूट भी बदला गया है।

लखनऊ

ट्रैक संबंधी निर्माण कार्य के चलते 16 ट्रेनों को अलग-अलग तारीखों में निरस्त किया गया है। जबकि कई ट्रेनों के रूट बदले गए हैं। अयोध्या रूट पर पड़ने वाले स्टेशनों पर ट्रैक संबंधी कार्य की वजह से लखनऊ से होकर गुजरने वाली छह गाड़ियों समेत 16 ट्रेनें विभिन्न तारीखों में निरस्त रहेंगी। कई ट्रेनों का रूट भी बदला गया है।

वहीं कोहरे के चलते 12 से अधिक ट्रेनें मंगलवार को देरी का शिकार हुईं।

वाया लखनऊ होकर जाने वाली ये ट्रेनें रहेंगी निरस्त

ट्रेन कब से कब तक निरस्त

15083 उत्सर्ग एक्सप्रेस 06 से 16 दिसंबर

15084 उत्सर्ग एक्सप्रेस 07 से 17 दिसंबर

14017 सद्भावना एक्सप्रेस 07 व 14 दिसंबर

14018 सद्भावना एक्सप्रेस 06 व 13 दिसंबर

09465 अहमदाबाद-दरभंगा 08 व 15 दिसंबर

09466 दरभंगा-अहमदाबाद 11 व 18 दिसंबर

बदले रूट से जाएंगी ये ट्रेनें

13009/13010 दून एक्सप्रेस 10 से 15 दिसंबर तक बदले रूट से चलेगी। 15934 अमृतसर-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस 15 दिसंबर को लखनऊ, मां बेल्हादेवी धाम, प्रतापगढ़ जंक्शन, वाराणसी होकर जाएगी। 13238 कोटा-पटना एक्सप्रेस 10,14 व 15 वाया लखनऊ, सुल्तानपुर होकर जाएगी। 13483/13484 फरक्का एक्सप्रेस 15 दिसंबर तक वाया जफराबाद होकर, 15636 गुवाहाटी-ओखा द्वारका एक्सप्रेस 11 दिसंबर को वाया जफराबाद जाएगी। वहीं गुवाहाटी के कामाख्या से चलने वाली 15668 कामाख्या-गांधीधाम एक्सप्रेस 13 दिसंबर को जफराबाद होकर चलेगी। 19321 इंदौर-पटना एक्सप्रेस 9 दिसंबर को लखनऊ, सुल्तानपुर के रास्ते रवाना होगी। 22103 मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट 11 दिसंबर को वाया जफराबाद चलेगी।

ये ट्रेनें वाया बाराबंकी व गोंडा जंक्शन से होकर गुजरेंगी

14649 सरयू-यमुना एक्सप्रेस 15 दिसंबर तक, 15715 गरीब नवाज एक्सप्रेस 8. 10. 12 व 15 दिसंबर को , 15716 गरीब नवाज एक्सप्रेस, 7, 11, 12 व 14 दिसंबर को, 19053 मुजफ्फरपुर-सूरत एक्सप्रेस 15 दिसंबर को, 19054 मुजफ्फरपुर-सूरत एक्सप्रेस 10 दिसंबर को, 19165 साबरमती एक्सप्रेस 6, 8, 10, 13 व 15 दिसंबर को तथा 19166 साबरमती एक्सप्रेस 9, 11, 13 व 16 दिसंबर को बाराबंकी व गोंडा जंक्शन से होकर गुजरेंगी। उत्तर रेलवे की सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा ने बताया कि यात्री अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

जनसाधारण एक्सप्रेस 20 घंटे लेट रही

13257 जनसाधारण एक्सप्रेस 20 घंटे तो 13258 जनसाधारण एक्सप्रेस 16 घंटे लेट रही। 09452 भागलपुर-गांधीधाम 8:50 घंटे, 19602 न्यू जलपाईगुड़ी-उदयपुर सिटी 4:15 घंटे, 12597 अन्त्योदय एक्सप्रेस 06:50 घंटे, 12370 कुंभ एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे और 13308 गंगा-सतलज एक्सप्रेस तीन घंटे लेट रही।

सर्दियों में मॉर्निंग वॉक के दौरान हॉर्ट पेशेंट न बरते लापरवाही, जानिए कैसे रखें दिल की सेहत का ख्याल

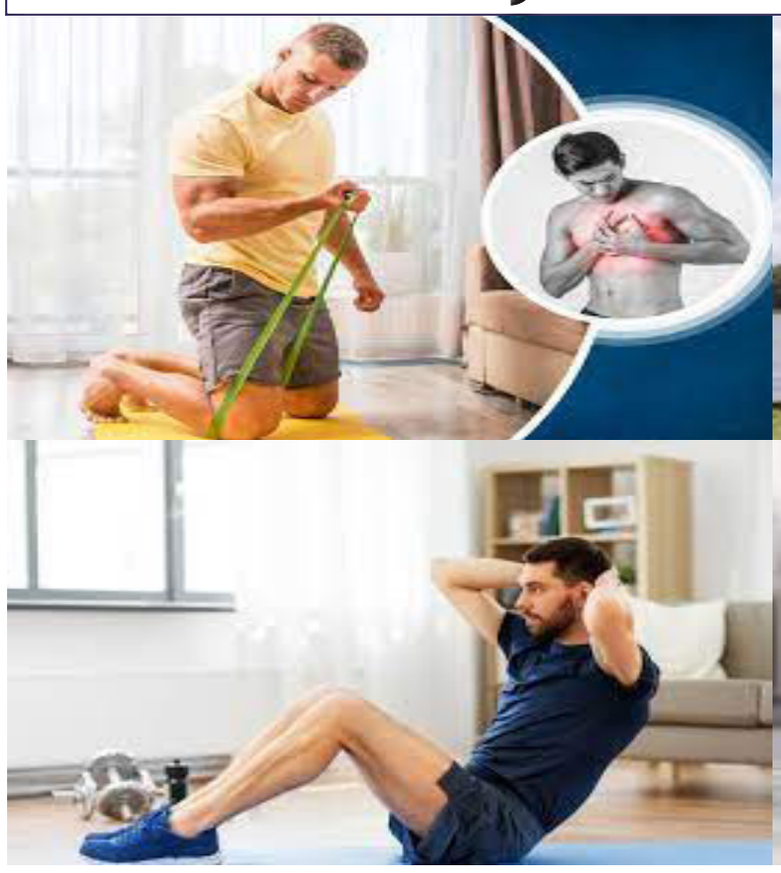

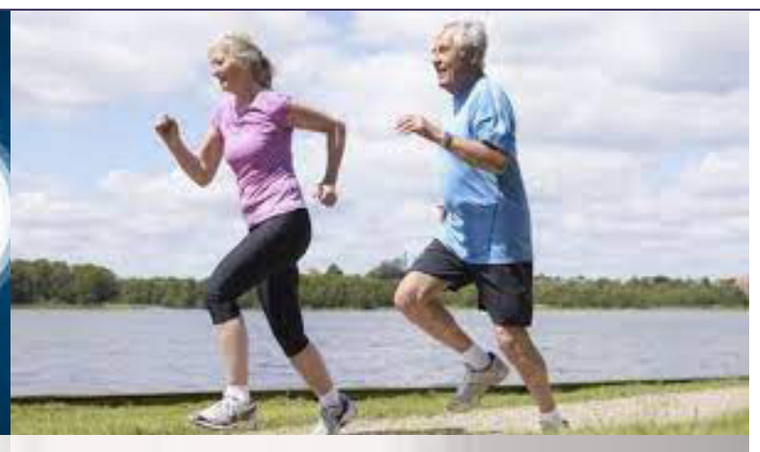

एनटीवी

अगर आप भी हृदय संबंधी बीमारी से परेशान रहते हैं। लेकिन आप सर्दियों में भी मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं, तो आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। क्योंकि हृदय पर ठंडी हवाओं का अधिक दबाव पड़ता है। वहीं ब्लड को पंप करने के लिए हार्ट को ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है।

सर्दियों के मौसम में सुबह जल्दी उठाना काफी मुश्किल होता है।

लेकिन जो फिटनेस फ्रीक होते हैं, वह सर्दी हो या गर्मी हमेशा मॉर्निंग वॉक कर खुद को फिट रखते हैं। लेकिन सर्दियों में मॉर्निंग वॉक के दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

वहीं जो लोग हृदय रोगी हैं, उनको मॉर्निंग वॉक पर जाते समय अधिक सतर्कता बरतनी चाहिए। क्योंकि सर्दियों में हृदय रोगियों की दिक्कतें अधिक बढ़ सकती हैं।

बता दें कि हृदय पर ठंडी हवाओं का अधिक दबाव पड़ता है। जिसकी वजह से ब्लड को पंप करने के लिए हृदय को ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। ऐसे में अगर आप भी हृदय संबंधी बीमारी से परेशान रहते हैं, लेकिन आप सर्दियों में भी मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं, तो आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मॉर्निंग वॉक के दौरान हृदय रोगियों को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

धूप निकलने के बाद करें वॉक

हृदय संबंधी बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को जल्दी सुबह वॉक पर जाना अवॉइड करना चाहिए। क्योंकि सुबह के समय चलने वाली ठंडी हवाएं आपकी समस्या को बढ़ा सकती हैं। इसलिए जब थोड़ी धूप निकल आए, तब वॉक करें। इससे आपको अधिक ठंड भी नहीं लगेगी।

गर्म कपड़े पहनकर करें वॉक

हार्ट पेशेंट होने पर आप गर्म कपड़े पहनकर मॉर्निंग वॉक पर जा सकते हैं। मॉर्निंग वॉक के दौरान अच्छे से गर्म कपड़े पहन लें। इससे आपको अधिक ठंड नहीं लगेगी और आप सर्द हवाओं से भी बचे रहेंगे। मॉर्निंग वॉक के दौरान सिर्फ टी-शर्ट या शर्ट में बाहर जाने से बचना चाहिए।

हल्की एक्सरसाइज जरूर करें

सर्दियों में खुद को फिट रखने के लिए अगर आप मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं, तो आप सुबह के समय हल्की एक्सरसाइज भी कर सकते है। इससे आपके शरीर में बल्ड सकुर्लेशन भी अच्छा बना रहता है। साथ ही एक्सरसाइज करने से आपको गर्माहट के साथ फ्रेशनेस भी फील होगी। बता दें कि एक्सरसाइज हमारे हार्ट के लिए भी बेहतर होती हैं।

हेल्दी डाइट लेना है जरूरी

मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले थोड़ा-बहुत कुछ खाकर बाहर निकलें। सुबह मॉर्निंग वॉक पर खाली पेट जाने से बचना चाहिए। आप चाहें तो बाहर वॉक पर जाने से पहले ड्राई फ्रूट्स भी खा सकते हैं। ड्राई फ्रूट्स के साथ पानी का भी सेवन कर सकते हैं। इससे आपकी हृदय का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

रोजाना नियमित तौर पर बीपी की चांज करवानी चाहिए। हाई बीपी की स्थिति होने पर सुबह वॉक पर जाने से बचना चाहिए।

सर्दियों में हार्ट पेशेंट को इनडोर एक्टिविटीज करनी चाहिए। इससे उनके ब्लड सकुर्लेशन में सुधार होता है।

ठंड अधिक होने पर सुबह वॉक पर जाने से बचना चाहिए। क्योंकि यह हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ा सकता है।

अधिक तला-भुना और मसालेदार खाना नहीं खाना चाहिए।

धूम्रपान, शराब और कैफीन ज्यादा सेवन नहीं करें।

परेशानी की वजह बन सकता है हाई बीपी, इन फूड आइटम्स से करें इसे कंट्रोल

एनटीवी

इन दिनों लोग अपनी लाइफस्टाइल की वजह से कई तरह की समस्याओं का शिकार होते जा रहे हैं। हाई बीपी इन्हीं में से एक है जिससे आजकल कई लोग पीड़ित है। इसे हाईपरटेंशन के नाम से भी जाना जाता है। यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है अगर इसे सही समय पर कंट्रोल नहीं किया जाए। आप दवाओं के अलावा कुछ फूड्स से इसे कंट्रोल कर सकते हैं।

परेशानी की वजह बन सकता है हाई बीपी, इन फूड आइटम्स से करें इसे कंट्रोल

बढ़ता बीपी कंट्रोल कर सकते हैं ये फूड्स

हाई बीपी इन दिनों कई लोगों के लिए परेशानी की वजह बना हुआ है।

इसे कंट्रोल न करने पर यह कई गंभीर समस्याओं की वजह बन सकता है।

ऐसे में आप कुछ फूड्स की मदद से इसे नेचुरली कंट्रोल कर सकते हैं।

तेजी से बदलती जीवनशैली की वजह से लोग आजकल कई तरह की बीमारियों का शिकार होते जा रहे हैं। काम का बढ़ता प्रेशर और खानपान की बदलती आदतें लोगों की सेहत पर सीधा असर डालती है। यही वजह है कि इन दिनों डायबिटीज, बीपी और हार्ट से जुड़ी बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। हाईपरटेंशन यानी हाई ब्लड प्रेशर की समस्या इन दिनों काफी आम हो चुकी है। हमारे आसपास कई सारे लोग इससे परेशान है।

यह एक ऐसी समस्या है, जो कई बार गंभीर हालातों की वजह भी बन सकती है। ऐसे में इसे कंट्रोल करने के लिए पीड़ित व्यक्ति को जीवनभर दवाई खानी पड़ती है। हालांकि, दवाओं के अलावा आप अपने खानपान की मदद से भी ब्लड प्रेशर कम कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे फूड्स के बारे में, जो नेचुरली आपके ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करेंगे।

बैरीज (स्ट्रॉबेरी)

अगर आप अपना ब्लड प्रेशर कम करना चाहते हैं, तो बैरीज एक बढ़िया विकल्प है। एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवोनोइड से भरपूर, स्ट्रॉबेरी ब्लड फ्लो में सुधार कर सकती है और हाई ब्लड प्रेशर के खतरे को कम कर सकती है।

पत्तेदार साग (पालक, काले)

हरी पत्तेदार सब्जियां हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती हैं। यही वजह है कि डॉक्टर्स इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं। ये पत्तेदार सब्जियां पोटेशियम और नाइट्रेट से भरपूर होती हैं, जो ब्लड प्रेशर को आराम देने में मदद करते हैं और आपके ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करते हैं।

केले

कई पोषक तत्वों से भरपूर केले भी ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करते हैं। ये पोटेशियम पावरहाउस शरीर में सोडियम के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जो हेल्दी ब्लड प्रेशर को बनाए रखने के लिए जरूरी है।

ओटमील

फाइबर से भरपूर ओटमील कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रण में रखने में मदद करता है। इसे खाने से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है और आपका ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद करता है।

चुकंदर

ज्यादातर लोग चुकंदर को अपनी डाइट में इसलिए शामिल करते हैं, क्योंकि यह खून बढ़ाने में आपकी मदद करता है। साथ ही इसमें मौजूद हाई नाइट्रेट कंटेंट ब्लड प्रेशर को कम करने में भी मदद करता है।२

क्या शादी से बार-बार इनकार कर रहे हैं आपके बच्चे? ये हो सकते हैं कारण

एनटीवी

वेडिंग सीजन शुरू हो चुका है। एक उम्र के बाद लोग अक्सर सेटल होने की प्लानिंग करते हैं। खासकर माता-पिता बच्चों के बड़े होते ही उनकी शादी के पीछे लग जाते हैं। हालांकि कई लोग शादी का नाम सुनते ही इससे दूर भागने लगते हैं जो परेशानी की वजह बन जाता है। अगर आपके बच्चे भी शादी से दूर भागते हैं तो इसकी कुछ वजह हो सकती हैं।

क्या शादी से बार-बार इनकार कर रहे हैं आपके बच्चे? ये हो सकते हैं कारण

इन वजहों से शादी से दूर भागते हैं आपके बच्चे

एक उम्र के बाद हर कोई लाइफ में सेटल होना चाहता है। हालांकि, आजकल की जनरेशन शादी के नाम से दूर भागती हैं। इसके पीछे कई सारी वजह हो सकती हैं, जिन्हें जानना जरूरी हैं। पहले के वक्त में शादी के बंधन में लोग परिवार की मर्जी से बांध दिए जाते थे। एक वक्त ऐसा भी था जब बिना देखे ही शादी करा दी जाती थी, क्योंकि मां-बाप ने लड़के और लड़की को पसंद किया होता था। पहले के माता-पिता की तरह जाहिर तौर पर, आज भी परेंट को बच्चों की उम्र बढ़ते ही शादी की फिक्र होने लगती है। लेकिन, बच्चों को शादी के लिए एक बार में मनाना बहुत ही मुश्किल होता है। बच्चे शादी के नाम से ही चिढ़ने लग जाते हैं।

हर माता-पिता चाहते हैं, कि उनके बच्चे वक्त पर शादी करके सेटल हो जाएं। ऐसे शादी को लेकर बच्चों का बार-बार न सुनना माता-पिता के लिए बहुत परेशानी भरा होता है। इसके पीछे कुछ खास कारण हो सकते हैं। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर क्यों आपके बच्चे शादी से लगातार इनकार कर रहे हैं।

अपनी आजादी खोने का डर

आजकल की यंग जनरेशन कॉलेज के बाद घर से बाहर निकल जाती है। जहां उन्हें आजादी से जीने को मौका मिलता है और उनकी लाइफस्टाइल में भी बदलाव आने लगता है। ऐसे में शादी की बात से उन्हें अपनी आजादी खोने का डर बना रहता है, किसी की रोक-टोक और जीवन में किसी और के आने से बदलाव के लिए हर कोई तैयार नहीं होता है।

पुराना रिलेशनशिप

आजकल की जनरेशन का शादी से भागने का एक और कारण उनकी पुराने रिलेशन से मिला खराब अनुभव भी हो सकता है। लोग शादी से पहले अगर किसी के साथ टॉक्सिक रिलेशनशिप में होते हैं, तो उनका मन शादी को लेकर पहले से ही खराब हो जाता है और वे किसी के भी साथ घर बसाने से कतराने लगते हैं। ऐसा भी हो सकता है कि वह पहले किसी के साथ बहुत ज्यादा सीरियस रिलेशन में रहे हो और वे उसे भूला नहीं पा रहे हों। दूसरों के क्लेश देखकर मन में डर कई बार ऐसा होता है कि हम मन में दूसरों के खराब रिलेशन से अपने जीवन को जोड़ने लगते हैं या फिर अगर घर में ही अपने माता-पिता को लंबे वक्त तक लड़ते झगड़ते देखते हैं, तो बच्चों का मन शादी के नाम से ही उब जाता है। ऐसा भी हो सकता है कि बच्चों के साथ के दोस्त जिनकी शादी हो चुकी है, उनकी मैरिड लाइफ खराब चल रही है, तो उन्हें भी यही लगने लगता है कि शादी करके कोई फायदा नहीं है।

सर्दियों में शरीर को गर्म रखेंगे ये सूप, जानें बनाने का सबसे आसान तरीका

एनटीवी

Soup Recipe हरी सब्जियों में विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं। सर्दियों में आप कई सारी सब्जियों को मिलाकर सूप बना सकते हैं। इसे पीने से शरीर को एनर्जी मिलती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है जिससे आप मौसमी बीमारियों से बच सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको इस आर्टिकल में सूप बनाने की आसान विधि बताएंगे।

सर्दियों में शरीर को गर्म रखेंगे ये सूप, जानें बनाने का सबसे आसान तरीका

घर पर इस तरह बनाएं सूप

ठंड के मौसम में कई तरह की सब्जियां मिलती हैं।

आप सब्जियों का इस्तेमाल कर टेस्टी सूप बना सकते हैं।

सूप में भरपूर मात्रा में विटामिन्स और मिनरल पाए जाते हैं।

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए कई तरह की चीजें डाइट में शामिल करते हैं। आप इस मौसम में सूप भी पी सकते हैं, जो शरीर को गर्म रखने के साथ सर्दी-जुकाम और खांसी से राहत दिलाने में मदद करेंगे। ठंड के मौसम में कई तरह की सब्जियां मिलती हैं। जिनका इस्तेमाल कर आप टेस्टी सूप बना सकते हैं। इनमें भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन्स और मिनरल पाए जाते हैं। सूप इसे पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। चलिए जानते हैं इसे बनाने की विधि।

वेजिटेबल सूप

आप इस सूप को बनाने के लिए अपनी मनपसंद सब्जियों का भी चुनाव कर सकते हैं। वेजिटेबल सूप बनाने के लिए एक पैन गर्म करें, इसमें 1 बड़ा चम्मच तेल डालें। इसके बाद बारीक कटे हुए प्याज, गाजर डालें और 10 मिनट तक भूनें। फिर इसमें मनपसंद दाल डालकर कुछ देर तक भून लें। इसमें पानी डालें उबाल आने तक इसे पकाएं। जब सब्जी और दाल नरम हो जाए, तो गैस बंद कर दें। तैयार है सूप।

टोमेटे सूप

इस सूप को बनाने के लिए प्याज और गाजर को काट लें। इसके अलवा 1 किलो टमाटर को मोटा-मोटा काट लें। एक पैन में 2 बड़े चम्मच तेल गर्म करें और उसमें तेज पत्ते डालकर नरम होने तक भून लें। अब कटे हुए प्याज, टमाटर और गाजर डालें। इसे पकने के छोड़ दें, फिर स्वादानुसार नमक मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छी तरह चलाएं। तैयार है टोमेटो सूप।

दाल का सूप

एक पैन में पानी गर्म करें, अब इसमें 2 बड़े चम्मच चना दाल डालें। इसके बाद कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च डालें। फिर इसमें नमक मिक्स करें। इसे अच्छी तरह पकाएं। जब यह तैयार हो जाए, तो गैस बंद कर दें। अब इसमें नींबू का रस मिक्स करें और दाल के सूप का आनंद लें।

ब्रोकोली और पालक का सूप

सबसे पहले प्याज, लहसुन और ब्रोकोली को काट लें। इसके अलावा थोड़ा-सा पालक भी काटकर रख लें। अब एक पैन गर्म करें, इसमें तेल डालें, फिर कटी हुई सब्जियां डालकर भून लें। इसके बाद नमक और काली मिर्च डालें शोरबा के लिए आवश्यकतानुसा पानी मिलाएं। इसे ढककर पकाएं। नींबू का रस मिलाकर सूप का मजा लें।

जालसाज को खाता उपलब्ध कराने वाला गिरफ्तार, विदेश भेजते थे रकम; ऐसे बनाते थे लोगों को शिकार

● उसे बताया गया कि सिम का इस्तेमाल कर दो करोड़ रुपये निकाले गए हैं। कॉलर ने आगे की जांच का हवाला देते हुए।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर इस गिरोह के जालसाज पहले लालच देकर पीड़ित को जाल में फंसाते थे। ये मैसेज व अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को लालच देते थे कि घर बैठे हर दिन दो से पांच हजार रुपये कमाएं। ये लोगों से लाइक व सब्सक्राइब कराते थे।दक्षिण जिले की साइबर थाना पुलिस ने 100 करोड़ रुपये की ठगी करने के मामले में जालसाजों को बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी विक्रांत राय उर्फ विक्की को लखनऊ, यूपी से गिरफ्तार किया है। इस गिरोह के जालसाज ठगी हुई रकम को विदेश भेजते हैं। आरोपी के कब्जे से 72 डेबिट कार्ड, पांच रजिस्टर/डायरियां/नोटबुक, एक लैपटॉप, तीन मोबाइल, छह चैक बुक और चार पैन कार्ड बरामद किए गए हैं। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि संगम विहार में रहने वाले सरकारी शिक्षक के साथ ठगी की गई थी। मामला दर्ज साइबर थाना प्रभारी अरुण कुमार वर्मा की देखरेख में इंस्पेक्टर हंसाराम, हवलदार रामबीर सिंह, तरूण कुमार व हवलदार संदीप कुमार की टीम ने जांच शुरू की। हवलदार रामबीर ने इस बात की जांच शुरू की कि ठगी का पैसा किन बैंक खातों में गया है। पता लगा कि जयपुर निवासी जितेंद्र के बैंक खाते में पैसा गया है। इसके बाद पुलिस टीम ने जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पुलिस को ये भी पता लगा कि ठगी की गई राशि में से एक लाख रुपये लखनऊ, यूपी स्थित एक बैंक खाते में स्थानांतरित किए गए थे, जो भार्गव-गुलमोहर अपार्टमेंट में एक एंटरप्राइजेज के नाम पर पंजीकृत पाया गया था। इसमें पता पानी गांव पैलेस के पास, थाना - इंदिरा नगर,

जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश था। हवलदार रामबीर की टीम ने लखनऊ में छापेमारी की और विक्रांत राय उर्फ विक्की को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसकी मुलाकात व्हाट्सएप के माध्यम से एक व्यक्ति से हुई थी। आरोपी ने उससे ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर थोक लेनदेन के लिए चालू बैंक खाते की मांग की। उसने बताया कि उसके कई लोगों के साथ अच्छे संबंध हैं, इसलिए उसने उनके नाम पर पार्टनरशिप डीड रजिस्टर्ड कराई और फिर इन पार्टनरशिप उद्यमों के नाम पर चालू खाते खुलवाए। इसके बदले में उसे प्रति लाख ट्रांजेक्शन पर 300 रुपये मिलते थे। ये भी तय था कि कम से कम 10 करोड़ रुपये प्रति माह से ज्यादा का ट्रांजेक्शन होगा, ताकि उसे एक लाख रुपये कमीशन प्रति माह मिल सकें। भार्गव गुलमोहर अपार्टमेंट, पानी गांव प्लेस जिला लखनऊ यूपी निवासी विक्रांत (43) स्नातक डिग्री होल्डर है। अमर उजाला ने सबसे पहले प्रकाशित की थी खबर अमर उजाला ने इस खबर को नवंबर के आखिरी सप्ताह में सबसे पहले प्रकाशित किया था। तब खुलासा किया था कि इस गिरोह के सदस्य 100 करोड़ रुपये के करीब की ठगी कर चुके हैं। ये जालसाज ठगी के पैसे को विदेश में भेज रहे हैं। प्री पेड टास्क के नाम पर करते हैं ठगी इस गिरोह के जालसाज पहले लालच देकर पीड़ित को जाल में फंसाते थे। ये मैसेज व अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को लालच देते थे कि घर बैठे हर दिन दो से पांच हजार रुपये कमाएं। ये लोगों से लाइक व सब्सक्राइब कराते थे। अगर कोई पीड़ित एक लाइक करता था तो ये उसे 50 रुपये देते थे। ये तीन से चार लाइक का पैसे देते थे। इससे पीड़ित को लालच आ जाता था। इसके बाद ये पीड़ित से कहते थे

खालिस्तानी आतंकी पन्नूं ने दी संसद पर हमले की धमकी, दिल्ली पुलिस अलर्ट; बढ़ाई गई सुरक्षा

● इस पोस्टर पर लिखा है- 'दिल्ली बनेगा पाकिस्तान'। खालिस्तानी आतंकी गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने भारत पर हमले का धमकीभरा एक और वीडियो जारी किया है।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता रखने वाले पन्नूं ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें संसद भवन पर हमले के दोषी अफजल गुरु के साथ वाला एक पोस्टर भी जारी किया है। इस पोस्टर पर लिखा है- 'दिल्ली बनेगा पाकिस्तान'। खालिस्तानी आतंकी गुरुपतवंत सिंह पन्नू ने भारत पर हमले का धमकीभरा एक और वीडियो जारी किया है। वीडियो में पन्नूं ने कहा कि भारतीय एजेंसियों ने उसकी हत्या की साजिश रची थी, जो नाकाम हुई। अब वह इसके जवाब में 13 दिसंबर को संसद भवन पर हमला करेगा। इस धमकी के बाद से देश की राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को और बढ़ा दिया गया है। दिल्ली पुलिस अलर्ट मोड पर है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि संसद और उसके आसपास सुरक्षा पहले ही बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा, "किसी को भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। अधिकारी ने कहा, रजब संसद चल रही होती है तो हम सतर्क रहते हैं। हम किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी एहतियाती कदम उठा रहे हैं।र उन्होंने बताया कि पूरी दिल्ली में सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता रखने वाले पन्नूं ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें संसद भवन पर हमले के दोषी अफजल गुरु के साथ वाला एक पोस्टर भी जारी किया है। इस पोस्टर पर लिखा है- 'दिल्ली बनेगा पाकिस्तान'। बता दें, अफजल गुरु को साल 2013 में फांसी दी गई थी। वहीं, एसएफजे के आतंकियों की ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियां ने कमर कस ली है। वह सुरक्षा बढ़ाने में जुट गई है। साथ ही इस वीडियो का सच भी पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। पहले भी धमकी दे चुका है पन्नूं इससे पहले भी खालिस्तानी आतंकी पन्नू गीदड़ भभकी दे चुका है। उसने सिख लोगों से 19 नवंबर को एयर इंडिया की फ्लाइट से यात्रा न करने के लिए कहा था।

संक्षिप्त खबरें

गाजियाबाद में कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, पुलिस से हुई नोकझोंक

दिल्ली-एनसीआर राजस्थान में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या को लेकर बुधवार को करहेड़ा के पृथ्वीराज चौहान गेट पर बैठकर संगठन और समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। राजस्थान में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या को लेकर बुधवार को करहेड़ा के पृथ्वीराज चौहान गेट पर बैठकर संगठन और समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। हालांकि, प्रदर्शन से पूर्व टेंट लगाने को लेकर लोंगो और पुलिस के बीच नोकझोंक हुई। पुलिस ने बिना अनुमति टेंट नहीं लगने दिया। लोगों ने सड़क किनारे बैठकर घटना को लेकर नाराजगी जताई और अध्यक्ष की मौत पर शोक संवेदना प्रकट की। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की घर में घुसकर हत्या कर दी। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोदारा कपूरीसर और गोल्डी बरार ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें गोगामेड़ी से बातचीत करने पहुंचे बदमाशों ने अचानक ही उन पर फायरिंग कर दी। किसी को संभलने का मौका तक नहीं दिया।

अरविंद केजरीवाल ने दी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि, सीएम बोले- उनके जीवन से हमें मिलती है सीख

संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर की आज पुण्यतिथि है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बाबा साहब भीम राव अंबेडकर को उनकी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की।
मुख्यमंत्री ने कहा, रहम उन्हें याद करते हैं और उन्हें आज हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनका जीवन संघर्ष और सेवा से भरपूर है और यही हमें उनके जीवन से सीख मिलती है। सबसे ज्यादा उन्होंने शिक्षा पर जोर दिया था जिसको हमारी सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता मानती है और इस अवसर पर मैं सभी से यही कहना चाहता हूं कि आप उनके जीवन से प्रेरणा लें और उनके संदेश के हिसाब जीवन यापन करने की कोशिश करें।र

जल बोर्ड के पिछले 15 वर्षों का होगा CAG ऑडिट, सीएम केजरीवाल ने दिया आदेश

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली जल बोर्ड के पिछले 15 वर्षों के सीएजी ऑडिट का आदेश दिया है। सीएजी ऑडिट का फैसला दिल्ली जल बोर्ड में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर उठी चिंताओं के मद्देनजर लिया गया है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि सार्वजनिक धन का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, जल मंत्री आतिशी ने कहा कि वित्त विभाग ने वित्तीय कुप्रबंधन के संबंध में चिंता जताई है, लेकिन वित्तीय नियमितताओं या दोषी अधिकारियों के विशिष्ट उदाहरणों की ओर इशारा नहीं किया है। यही बात सीएजी ऑडिट को जरूरी बनाती है।

लाइक-शेयर कराने के नाम पर करोड़ों ठगे, सैकड़ों लोगों को इस तरह से शिकार बना चुके हैं शातिर जालसाज

● गिरोह के दो लोग बेंगलुरु में भी मौजूद हैं। पुलिस की एक टीम को आरोपियों की तलाश में भेज दिया गया है।

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर आरोपियों की पहचान कानपुर की एन-2 रोड स्थित लाल बंगला निवासी अंकित गुप्ता और पलवल के शिवपुरी निवासी भारत भूषण के रूप में हुई है। आरोपी अंकित ने बीटेक कर रखी है। आरोपी मुंबई, यूपी और बेंगलुरु में बैठकर ठगी को अंजाम दे रहे थे। टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब और लाइक-शेयर कराने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का शाहदरा जिले की साइबर थाना पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस संबंध में बीटेक ग्रेजुएट युवक समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी देशभर के सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी कर चुके हैं। आरोपियों की पहचान कानपुर की एन-2 रोड स्थित लाल बंगला निवासी अंकित गुप्ता और पलवल के शिवपुरी निवासी भारत भूषण के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन, चार सिमकार्ड, एक चेकबुक, एटीएम और अन्य सामान बरामद किया है। आरोपी अंकित ने बीटेक कर रखी है। छानबीन के दौरान देशभर की करीब 30 शिकायतें गिरोह से जुड़ी हैं। बाकी शिकायतकताओं को ढूंढा जा रहा है। गिरोह के दो लोग बेंगलुरु में भी मौजूद हैं। पुलिस की एक टीम को आरोपियों की तलाश में भेज दिया गया है। आरोपी मुंबई, यूपी और बेंगलुरु में बैठकर ठगी को अंजाम दे रहे थे। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त रोहित मीना ने बताया कि एक दिसंबर को शाहदरा जिला निवासी नाजरीन कौर ने साइबर थाना पुलिस को ठगी की शिकायत दी थी। पीड़िता ने बताया कि वह पार्ट टाइम नौकरी देख रही थी। इस दौरान सोशल मीडिया पर उन्होंने देखा कि लाइक-शेयर करने और आसान काम के बदले ठीक-ठाक पैसे देने की बात की जा रही है। पीड़िता ने इस ग्रुप में 1000 रुपये निवेश कर दिए। इसके बदले उन्हें 1300 रुपये दिए गए। इसके बाद आरोपियों ने धीरे-धीरे लाभ बढ़ाकर उसे जाल में फंसा लिया। धीरे-धीरे उससे 1.98 लाख रुपये लेकर आरोपियों ने फोन बंद कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। ऐसे पकड़े गए साइबर थाना पुलिस ने एसआई पुष्पेंद्र पांडेय व अन्य की टीम का गठन किया। टीम ने सबसे पहले उन खातों की पड़ताल की, जिनमें ठगी की रकम ट्रांसफर हुई थी। एक खाते में एक लाख रुपये ट्रांसफर हुए थे। उस खाते से लिंक मोबाइल नंबर की जांच की गई।

कौन है सुखदेव को मारने वाला रोहित गोदारा? पेट्रोल पंप कारोबारी से मांग चुका है एक करोड़ की रंगदारी

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी लेने वाला गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की गैंग का गुर्गा है। इस पर पुलिस ने एक लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा है। गोदारा 2022 में फर्जी नाम से पासपोर्ट बनवाकर देश से बाहर भाग गया था। गोदारा विदेश जाने से पहले बीकानेर के लूणकरणसर में कपूरियासर में रहता था। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की जयपुर में उनके घर में घुसकर गोली मारकर हत्या करने के बाद गुरुग्राम के बिलासपुर के रहने वाले कारोबारी का परिवार दहशत में है। सुखदेव हत्याकांड की जिम्मेदारी लेने वाले लॉरेंस बिश्नोई के जिस गुर्गे रोहित गोदारा द्वारा इस हत्याकांड की जिम्मेदारी ली गई है, उसी ने कारोबारी से 52 दिन पहले एक करोड़ की रंगदारी मांगी थी। आरोपी एक माह में तीन बार कारोबारी को फोन पर धमकी दे चुका है। अंतिम कॉल में उसने कारोबारी को धमकाते हुए अर्थी की तैयारी करने की बात कही थी। बिलासपुर खुर्द गांव के रहने वाले पूर्व पार्षद राकेश कुमार का पेट्रोल पंप का कारोबार है। उनके पास 52 दिन पहले लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गे रोहित गोदारा ने उसे फोन कर जान से मारने की धमकी देकर एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। उसके बाद बिलासपुर थाना पुलिस ने 14 अक्तूबर को रोहित गोदारा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। मामला दर्ज होने के बाद उसने 25 अक्तूबर को उसके भाई व बेटे के नेटवर्क के बारे में जानकारी दी और कहा कि तूने गांव में जमीन को लेकर विवाद किया है। कारोबारी की ओर से पैसा न देने पर दिवाली के ठीक दो दिन पहले 10 नवंबर को फोन करके कहा कि उसे अब पैसा नहीं चाहिए। अब वह अपनी अर्थी की तैयारी कर लें। जयपुर में हुई सुखदेव की हत्या के बाद से ही कारोबारी राकेश का परिवार दहशत में आ गया है। कारोबारी का कहना है कि उसकी सुरक्षा के नाम पर सिर्फ एक सिपाही तैनात किया गया है। जब वह छुट्टी चला जाता है तो कोई नहीं होता है। उसने गैंगस्टर की ओर से बार-बार फोन आने की सूचना पुलिस को दी है। सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। पर उसका असर कुछ नहीं है। कारोबारी के गांव में भी है गोदारा का नेटवर्क कारोबारी राकेश कुमार का गांव में जमीन को लेकर विवाद था। विवाद अभी थाने तक नहीं पहुंचा था कि विदेश में बैठे गैंगस्टर गोदारा का फोन उसके पास जरूर पहुंच गया था। गोदारा ने कहा था कि गांव में डॉन बनने का जो तू प्रयास कर रहा है। वह उसे देख लेंगे। खुद कारोबारी ने ही यह जानकारी मामले की जांच कर रहे सीआईए प्रभारी मानेसर को दी थी। 22 दिसंबर को है परिवार में शादी, घर में ही दुबका रहता है कारोबारी गैंगस्टर के नेटवर्क को देख कर परिवार के लोग सावधानी बरत रहे हैं। कारोबारी के बेटे की 22 दिसंबर को शादी है। परिवार के लोगों को घर में रहना पड़ता है। जयपुर में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हुई हत्या के बाद परिवार के लोग सहमे हुए हैं। सुरक्षा बढ़ाने की मांगपूर्व पार्षद व कारोबारी राकेश कुमार कहते हैं कि उन्होंने सुरक्षा बढ़ाने को लेकर डीसीपी क्राइम विजय प्रताप सिंह से मुलाकात की है। जितनी बार गैंगस्टर का फोन आया। वह पुलिस अधिकारियों से मिल कर इसकी सूचना दे दी है। सरकार से यही मांग है कि सबसे पहले उनकी सुरक्षा बढ़ाई जाए। गैंगस्टर के नेटवर्क में शामिल लोगों को दबोचा जाए। कौन है रोहित गोदारा गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी लेने वाला गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की गैंग का गुर्गा है। इस पर पुलिस ने एक लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा है।

एक हफ्ते बाद खराब श्रेणी में दिल्ली की हवा, अगले छह दिन सांसों पर भारी; आज छा सकता है कोहरा

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर अनुमान है कि आठ दिसंबर तक वायु गुणवत्ता खराब होकर बेहद खराब श्रेणी में जा सकती है। अगले छह दिन की बात करें तो वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रहने की आशंका है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में जा सकती है - फोटो मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन में दिल्ली-एनसीआर की हवा बेहद खराब श्रेणी में जा सकती है। मंगलवार को 12 किमी प्रतिघंटे की गति से चली हल्की हवा और खिली धूप से हवा में सुधार हुआ। सोमवार के मुकाबले मंगलवार को प्रदूषण का स्तर 13 अंक घटकर 297 सूचकांक पर आ गया, जो खराब श्रेणी है। एक सप्ताह बाद दिल्ली का प्रदूषण सूचकांक खराब श्रेणी में आया है। इससे पहले 29 नवंबर को प्रदूषण का स्तर घटकर 290 पर आया था। पूरे एनसीआर की बात करें तो गाजियाबाद का प्रदूषण का स्तर 192 संतोषजनक दर्ज किया गया, जबकि एक्यूआई फरीदाबाद में 212, ग्रेटर नोएडा में 274, गुरुग्राम में 248 और नोएडा में 235 रहा। भारतीय उष्ण कटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के मुताबिक, मंगलवार को दिन के समय दिल्ली में मुख्य सतही हवा 6 से 12 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशाओं से चली। सुबह हल्की धुंध छाई रही, लेकिन दिन में खिली धूप से तापमान में कुछ बढ़त हुई। इससे प्रदूषण में सुधार दिखा। बुधवार को सुबह हल्का कोहरा छा सकता है। दोपहर को आसमान साफ रहेगा। दिन में मुख्य सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशाओं से 4 से 8 किमी प्रति घंटे की गति से चल सकती है। हवा की गति घटने से एक बार फिर से प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में जा सकता है। मंगलवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में रही, जबकि आठ दिसंबर तक वायु गुणवत्ता खराब होकर बेहद खराब श्रेणी में जा सकती है। अगले छह दिन की बात करें तो वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रहने की आशंका है। संस्थान के मुताबिक, स्थानीय कारणों से प्रदूषण का स्तर खराब होगा। हवा की गति मध्यम या हल्की होने से यह वातावरण में फैल नहीं पाएगा और अगले कुछ दिन में स्थिति खराब हो सकती है। इसके अलावा ठंड बढ़ने के कारण भी प्रदूषण की सघनता बढ़ेगी, जिससे हवा फिर से बेहद खराब हो सकती है। आधी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बेहद खराब केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, दिन में राहत के बाद शाम ढलते ही आधी दिल्ली की हवा बेहद खराब हो गई। दिल्ली के 36 केंद्रों में से 17 पर एक्यूआई 300 के पार दर्ज किया गया। इसमें अलीपुर, श्रीफोर्ट, आरके पुरम, पंजाबी बाग, जवाहर नगर, नेहरू नगर, द्वारका सेक्टर-8, जहांगीरपुरी, रोहिणी, विवेक विहार, नरेला, वजीरपुर, बवाना, मुंडका, आनंद विहार, मोती बाग शामिल रहे। बोर्ड के मुताबिक, इन क्षेत्रों में स्थानीय कारणों से प्रदूषण के स्तर में बढ़त दिखी।

हाईकोर्ट ने कहा- भूकंप के दौरान अस्पतालों, स्कूलों की स्थिरता की जांच के लिए संरचनात्मक ऑडिट करें

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व मिनी पुष्करणा की पीठ ने कहा कि यह सच है कि भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं को कोई नियंत्रित नहीं कर सकता है, लेकिन शहर सरकार और अन्य स्थानीय अधिकारी पहले अपनी इमारतों की समीक्षा करके शुरूआत कर सकते हैं और एक कार्य योजना तैयार कर सकते हैं। अदालत ने आदेश दिया कि दिल्ली सरकार और अन्य स्थानीय एजेंसियों को सभी अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों का संरचनात्मक ऑडिट करने और स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया जाता है। अदालत वकील अर्पित भार्गव की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें दावा किया गया था कि दिल्ली में इमारतों की भूकंपीय स्थिरता खराब है और बड़े भूकंप की स्थिति में बड़ी संख्या में लोग हताहत हो सकते हैं। दिल्ली सरकार के वकील संतोष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि कार्रवाई की जा रही है। किसी भी बड़े झटके से निपटने के लिए शहर की सभी आपदाओं को कोई नियंत्रित नहीं कर सकता है, लेकिन शहर सरकार और अन्य स्थानीय अधिकारी पहले अपनी इमारतों की समीक्षा करके शुरूआत कर सकते हैं और एक कार्य योजना तैयार कर सकते हैं। अदालत ने आदेश दिया कि दिल्ली सरकार और अन्य स्थानीय एजेंसियों को सभी अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों का संरचनात्मक ऑडिट करने और स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया जाता है। अदालत वकील अर्पित भार्गव की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें दावा किया गया था कि दिल्ली में इमारतों की भूकंपीय स्थिरता खराब है और बड़े भूकंप की स्थिति में बड़ी संख्या में लोग हताहत हो सकते हैं। दिल्ली सरकार के वकील संतोष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि कार्रवाई की जा रही है। किसी भी बड़े झटके से निपटने के लिए शहर की सभी इमारतों को भूकंपरोधी बनाने का काम चरणबद्ध तरीके से ही किया जा सकता है। सरकारी वकील ने इस बात पर जोर दिया कि शहर में कई पुरानी इमारतें होने के अलावा, अनधिकृत निमार्णों की भी समस्या है, जिनमें से कुछ को ध्वस्त कर दिया गया है। यह कहते हुए कि सरकार उन अधिकृत निमार्णों पर भी आंखें मूंद लेती है जो ताश के पत्तों की तरह गिर सकते है। पीठ ने कहा कि वहां रहने वालों को उचित चेतावनी जारी की जानी चाहिए। इन लोगों को चेतावनी दें, नोटिस लगाएं कि संरचना खतरनाक और असुरक्षित है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के वकील ने कहा कि वह अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है और इमारतों को सुरक्षा मानदंडों के अनुरूप बनाने के लिए उनमें रेट्रोफिटिंग के विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है।

दिल्ली की सड़कों पर जल्द दिखेगी बाइक एंबुलेंस, स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया टेंडर

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर कोरोना महामारी से पहले इस योजना को दिल्ली सरकार ने लांच किया था, लेकिन कई कारणों से यह सुविधा शुरू नहीं हो पाई। इस सेवा के शुरू करने के बाद भीड़भाड़ वाले इलाकों में अस्पताल ले जाने के लिए सुविधा मिल सकेगी। यह सुविधा संकरी गलियों में आपात चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाएगी। दिल्ली में ऐसे कई इलाके हैं जहां बड़ी एंबुलेंस नहीं जा पातीं। ऐसे में यह एंबुलेंस काफी फायदेमंद होगी। बता दें कि एम्स भी मिशन दिल्ली योजना के तहत दिल के मरीजों के लिए बाइक एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध करवा रहा है। एम्स के आसपास के क्षेत्रों में यह एंबुलेंस सुविधा देती है। इसी के तर्ज पर दिल्ली सरकार भी सुविधा शुरू करने जा रही है। से पहले इस योजना को दिल्ली सरकार ने लांच किया था, लेकिन कई कारणों से यह सुविधा शुरू नहीं हो पाई। इस सेवा के शुरू करने के बाद भीड़भाड़ वाले इलाकों में अस्पताल ले जाने के लिए सुविधा मिल सकेगी। यह सुविधा संकरी गलियों में आपात चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाएगी। दिल्ली में ऐसे कई इलाके हैं जहां बड़ी एंबुलेंस नहीं जा पातीं। ऐसे में यह एंबुलेंस काफी फायदेमंद होगी। बता दें कि एम्स भी मिशन दिल्ली योजना के तहत दिल के मरीजों के लिए बाइक एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध करवा रहा है। एम्स के आसपास के क्षेत्रों में यह एंबुलेंस सुविधा देती है। इसी के तर्ज पर दिल्ली सरकार भी सुविधा शुरू करने जा रही है।

अस्पतालों में एमडी और एमएस सीख रहे तहजीब, बेहतर होगा अस्पताल का माहौल

● इसी कड़ी में प्रबंधन तकनीक को बेहतर बनाने के लिए अपग्रेड किया जा रहा है। इस बारे में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज का कहना है

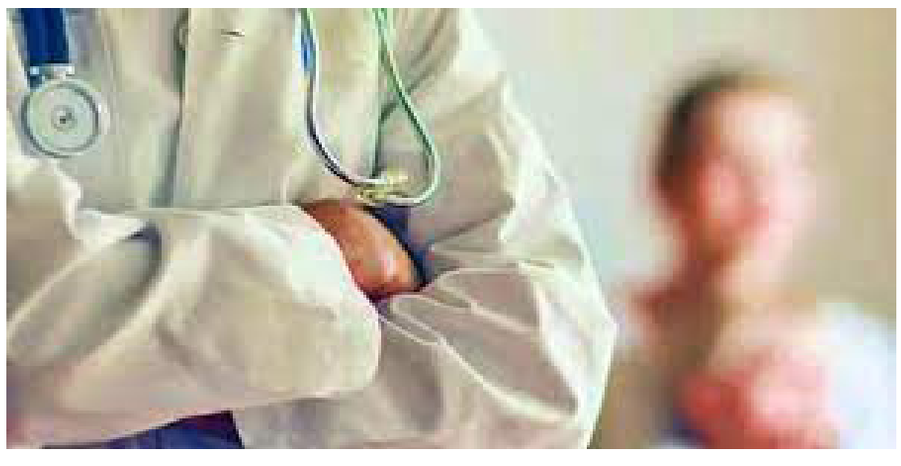

एनटीवी

दिल्ली-एनसीआर प्रशिक्षण का उद्देश्य दिल्ली के अस्पतालों को सुधारना है। प्रशिक्षण के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के विशेषज्ञ सभी एमडी-एमएस को संवाद करने की कला के साथ प्रबंधन कौशल की जानकारी दे रहे हैं। दिल्ली के अस्पतालों में मरीजों को बेहतर माहौल व आधुनिक सुविधाएं देने के लिए चिकित्सा अधीक्षक व चिकित्सा निदेशक (एमडी-एमएस) तहजीब सीख रहे हैं। आने वाले दिनों में यह कला अस्पताल के सभी डॉक्टर और स्टॉफ को भी दी जाएगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य दिल्ली के अस्पतालों को सुधारना है। प्रशिक्षण के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के विशेषज्ञ सभी एमडी-एमएस को संवाद करने की कला के साथ प्रबंधन कौशल की जानकारी दे रहे हैं। मौजूदा समय में दिल्ली सरकार के 30 और सोसायटी की मदद से दिल्ली सरकार 8 अस्पताल चला रही है। इस अस्पतालों में रोजाना 50 हजार से अधिक मरीज इलाज करवाने आते हैं। इनमें से कई मरीजों की समस्या संवाद के अभाव में बढ़ जाती है। इस ट्रेनिंग की मदद से संवाद की दूरी को कम किया जाएगा। दरअसल दिल्ली का स्वास्थ्य विभाग सभी अस्पतालों को वैश्विक मानक पर खरा उतारना चाहता है। इसी कड़ी में प्रबंधन तकनीक को बेहतर बनाने के लिए अपग्रेड किया जा रहा है। इस बारे में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज का कहना है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर दिल्ली के सभी अस्पतालों के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को विश्वस्तरीय बनाना है। साथ ही अस्पतालों में मरीजों के लिए बेहतर से बेहतर इलाज की व्यवस्था की जाएगी। मरीजों से कैसे करें व्यवहार तकनीकी जानकारी दे रहे विशेषज्ञों का कहना है कि मरीजों की अधिकतर समस्या संवाद के अभाव में बढ़ जाती है। यदि अस्पताल प्रमुख डॉक्टरों के सहयोग से मरीज तक उचित स्थिति व हालत को रख देता है। साथ ही उन्हें विश्वास दिलाता है कि मौजूदा संसाधन में बेहतर उपचार मिलेगा तो अधिकतर समस्याएं अपने आप की खत्म हो जाती है। ऐसे में ट्रेनिंग के दौरान एमडी-एमएस को डॉक्टरों के साथ बातचीत, मरीजों से व्यवहार, स्टाफ की व्यवस्था, अस्पताल के लिए खरीद, अस्पताल प्रबंधन के बारे में बताया जा रहा है। मौजूदा समय में देखा गया है कि कई बार प्रमुख संवाद नहीं करता, जिस कारण समस्याएं फाइलों तक नहीं पहुंच पाती और मरीज परेशान होते हैं। इसका असर उपचार पर पड़ता है। इसे दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। सभी स्टाफ को मिलेगी ट्रेनिंग अस्पतालों को सुधारने के लिए एमडी-एमएस के साथ आने वाले दिनों में सभी वर्ग को ट्रेनिंग दी जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में अस्पताल के सभी डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्य कर्मी, वार्ड वॉय को भी संवाद करने का गुर सिखाया जाएगा। साथ ही मरीजों की समस्या को मौके पर हल करने के बारे में बताया जाएगा। इन विषयों पर चल रही है चर्चा अस्पताल में जरूरी खरीद को जल्द करना स्टोर व काउंटर के बीच उचित प्रबंधन लॉडरी, किचन, दवा केंद्र में उपलब्धता बनाए रखना डॉक्टरों की समस्या दूर करना स्टाफ की समस्या को दूर करना मरीज की मौत होने पर उचित तरीके से बताना

संक्षिप्त खबरें

मल्टी प्वाइंट कनेक्शन लगाने पहुंची टीम का विरोध

साहिबाबाद। मोहन नगर स्थित गुलमोहर ग्रीन सोसाइटी में मंगलवार सुबह मल्टी प्वाइंट कनेक्शन लगाने पहुंची ऊर्जा निगम की टीम का कुछ लोगों ने विरोध किया। हंगामा इतना बढ़ गया कि टीम को पुलिस बुलानी पड़ी। साथ ही, निगम के उच्च अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। तीन घंटे तक बहस और नोकझोंक के बाद अधिकारी और पुलिस की टीम के समझाने के बाद मामला शांत हुआ। टीम ने 53 मीटर लगाए। ऊर्जा निगम के एसडीओ सुरेंद्र सिंह भंडारी ने बताया कि सोसाइटी में पहले 50 फीसदी से अधिक मल्टीप्वाइंट कनेक्शन के मीटर लगाए जा चुके हैं। 147 मीटर लगाए जाने बाकी थे। मीटर लगाने के लिए टीम सुबह करीब 10 बजे सोसाइटी पहुंची। यहां कुछ लोगों ने विरोध किया। सोसाइटी के पूर्व एओए अध्यक्ष वीवीएस राणा ने बताया कि कुछ लोग मल्टीप्वाइंट कनेक्शन लगवाने के लिए अपनी सहमति नहीं दे रहे थे, जिसकी वजह से ऊर्जा निगम की टीम को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। विवाद बढ़ने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस, ऊर्जा निगम और आरडब्ल्यूए के समझाने के बाद टीम ने काम शुरू किया। एसडीओ ने बताया कि शासनादेश के मुताबिक हर हाल में मल्टीप्वाइंट कनेक्शन लगवाना अनिवार्य है। जो लोग यह कनेक्शन नहीं लगवाएंगे उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। इसके बाद लोग माने और मीटर लगवाने की अनुमति दी।

कार सवार रईसजादों ने दो मजदूरों को मारी टक्कर

मुरादनगर। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर दुहाई के पास सोमवार रात कार सवार रईसजादों ने रैपिडएक्स ट्रैक पर सामान पकड़ा रहे दो मजदूरों को टक्कर मारकर घायल कर दिया। हादसे की सूचना पुलिस कंट्रोल पर दी गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही कार सवार युवक फरार हो गए। सोमवार देर रात दुहाई गांव के पास रैपिडएक्स ट्रैक पर विनोद व बादल निवासी जनपद रामपुर मैजिक गाड़ी से ट्रैक पर ऊपर सामान पकड़ा रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार कार ने विनोद व बादल के टक्कर मार दी। गाड़ी चालक ने हादसे की सूचना पुलिस कंट्रोल पर दी। इसी बीच कार सवार युवकों ने फोन कर अपने साथियों को वहां बुला लिया। पुलिस के आने की भनक लगते ही युवक मौके से फरार हो गए। घायल मजदूरों को दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि बादल की हालत गंभीर है। एसीपी नरेश कुमार ने बताया कि पुलिस हाईवे पर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज में कार का नंबर ट्रेस कर रहे हैं, जिससे युवकों का पता लग सके। हादसे की तहरीर आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आठ महीने बाद भी नहीं आया फंड, कैसे होगा स्कूलों का कायाकल्प

नोएडा। जिले के चार स्कूलों का चयन प्रधानमंत्री स्कूल फार राइजिंग इंडिया (पीएमश्री) के लिए हो चुका है। इन स्कूलों में सत्र शुरू हुए आठ महीने बीत गए हैं, लेकिन अभी तक शासन से स्कूलों के कार्याकल्प के लिए बजट नहीं मिल सका है। जबकि दिसंबर माह तक स्कूलों में काम पूरे होने थे। वहीं, दूसरे चरण में पीएमश्री योजना के लिए 12 स्कूलों के नाम शासन को भेजे गए हैं। जिले में 512 परिषदीय स्कूल हैं। इसमें से दादरी और जेवर में दो-दो स्कूल चुने गए हैं। इन स्कूलों को हाईटेक बनाने के लिए प्रत्येक स्कूल पर 60 से 65 लाख रुपये खर्च किए जाने हैं। चारों स्कूलों पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर दो करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करेंगी, ताकि छात्रों को बेहतर सुविधाएं दी जा सकें। बजट नहीं मिलने की वजह से स्कूलों में कायाकल्प का काम शुरू नहीं किया जा सका है। कुछ स्कूलों में काम शुरू भी हुआ तो बजट की वजह से बीच में रुक गया है। स्कूल प्रबंधक भी सुविधाएं बढ़ाने के लिए बजट का इंतजार कर रहे हैं। स्कूलों में होना यह काम केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार स्कूलों में छात्रों की नींव को मजबूर करने के लिए आधुनिक शिक्षा पद्धति को अपनाने पर जोर दिया है। इसके लिए स्कूलों को अधिक सुविधाओं से लैस किया जाना है। नई शिक्षा नीति के तहत इन स्कूलों में प्रैक्टिकल समग्र एकीकृत वास्तविक जीवन की स्थितियों पर आधारित पढ़ाई कराई जाएगी। पीएम श्री स्कूल न सिर्फ स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के लिए बल्कि आसपास के अन्य स्कूलों के लिए भी मार्गदर्शन और नेतृत्व प्रदान करेंगे। दो करोड़ रुपये से इन स्कूलों में नवीनतम तकनीक, स्मार्ट क्लास, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, पुस्तकालय, खेल के मैदान, प्रयोगशाला, विज्ञान प्रयोगशाला आदि विकसित की जानी है। इन स्कूलों का हुआ

बिल्डर ने फजीवाड़ा करके ले लिया आईटीसी क्लेम, 7.27 करोड़ रुपये जमा कराए

- अब बिल्डर से 25.17 लाख रुपये ब्याज के रूप में जमा कराए जाएंगे। अपर आयुक्त ने बताया कि इसके अतिरिक्त अन्य फर्मों का भी डाटा विश्लेषण किया जा रहा है।

एनटीवी

गाजियाबाद। जीएसटी सिस्टम ऑनलाइन हो जाने और सख्ती के बावजूद टैक्स चोरी रुक नहीं रही है। राज्यकर विभाग के जोन-2 में अब एक ऐसा मामला सामने आया है जब वैशाली के एक बिल्डर ने फजीवाड़ा के जरिए आईटीसी क्लेम करके 3.28 करोड़ रुपये रुपये ले लिए और 3.99 करोड़ का टैक्स राज्यकर विभाग में जमा न करके अपने खाते में रकम जमा कर रखी थी। राज्यकर विभाग की टीम ने फर्म के दस्तावेजों का डाटा खंगाला तो टैक्स चोरी का मामला उजागर हो गया। टीम ने बिल्डर से 7.27 करोड़ रुपये टैक्स के रूप में जमा कराए गए। इसके बाद अब 25.17 लाख रुपये ब्याज जमा कराया जाएगा। जोन-दो के अपर आयुक्त ग्रेड-1 दिनेश कुमार मिश्रा ने बताया कि बिल्डर फर्म की ओर से दाखिल की गई जीएसटी रिटर्न में दिए गए डाटा का विश्लेषण किया गया था। इस दौरान डाटा में गड़बड़ी और बिना पात्रता के 12 फीसदी आईटीसी क्लेम ले लिए जाने का मामला पकड़ा गया। इसके बाद खंड-16 के उपायुक्त मुकेश कुमार को विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए। जांच में पाया गया कि सितंबर-2021 से रजिस्टर्ड इस फर्म की ओर से मासिक रिटर्न दाखिल करते हुए 12 प्रतिशत की करदेयता घोषित की गई और घोषित करदेयता का भुगतान आईटीसी के माध्यम से ले लिया गया। वित्त मंत्रालय की ओर से 2019 में जारी नोटिफिकेशन के अनुसार बिल्डर और कांट्रेक्टरों के लिए करदेयता महज पांच फीसदी थी और यह रकम भी बिल्डर आईटीसी क्लेम के माध्यम से नहीं, बल्कि लेजर के माध्यम से राज्यकर विभाग में नकद जमा करानी थी। यह रकम बिल्डर की ओर से जमा नहीं की गई, जिसकी वजह से राज्यकर विभाग को राजस्व नहीं मिल सका। उन्होंने बताया कि इस पड़ताल के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए बिल्डर से कुल 3.28 करोड़ रुपये और वर्ष 2023-24 के लिए 3.99 करोड़ रुपये जमा कराए गए। यानी कुल 7.27 करोड़ रुपये टैक्स के रूप में जमा कराए गए। इसके साथ ही इस रकम पर जो ब्याज राज्यकर विभाग को मिलना था, वह बिल्डर ने ले लिया। अब बिल्डर से 25.17 लाख रुपये ब्याज के रूप में जमा कराए जाएंगे। अपर आयुक्त ने बताया कि इसके अतिरिक्त अन्य फर्मों का भी डाटा विश्लेषण किया जा रहा है। अनियमितता पाए जाने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।कई फर्मों में टैक्स चोरी पकड़ चुका राज्यकर विभाग - फरवरी 2023, गाजियाबाद और बुलंदशहर की तीन फर्जी फर्म का खुलासा कर पकड़ी 30.59 करोड़ की जीएसटी चोरी - एक दिसंबर 2023, विजयनगर की राठी स्टील में नौ करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी। - चार दिसंबर 2023, राज्यकर विभाग ने इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में पकड़ी जीएसटी चोरी, 40 लाख जमा कराए। - नवंबर, 2023, ट्रॉनिका सिटी में चिकित्सा उपकरण बनाने वाली कंपनी में पकड़ी 98 लाख की जीएसटी चोरी। - एआई के माध्यम से गाजियाबाद के व्यापारियों के दस्तावेजों में पकड़ी गई 12 करोड़ की जीएसटी चोरी। - नवंबर 2023, रेडिमेड गारमेंट से लदी तीन गाड़ियों में पकड़ी गई 9.28 लाख की जीएसटी चोरी। - अक्तूबर 2023, एक माह में 249 वाहनों में 4.83 करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी गई। पंजीकृत फर्मों की ओर से दाखिल की गई।

अयोध्या राम मंदिर के आचार्य बनेंगे मोहित पांडेय

गाजियाबाद। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में दूधेश्वरनाथ वेद विद्यापीठ के छात्र मोहित पांडेय का चयन हुआ है। लगभग 3000 हजार पुजारियों के साक्षात्कार में से 20 का चयन किया गया है जिसमें से एक मोहित भी शामिल हैं। चयनित सभी पुजारियों को छह माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा उसके बाद नियुक्ति की जाएगी। वेद विद्यापीठ के आचार्य लक्ष्मीकांत पाढ़ी ने बताया कि मोहित सीतापुर का रहने वाले हैं। उसने दूधेश्वरनाथ वेद विद्यापीठ में सात वर्ष तक सामवेद की शिक्षा ली। सामवेद की शिक्षा पूरी होने के बाद आचार्य की पढ़ाई के लिए तिरुपति चले गए। आचार्य की डिग्री लेने के बाद वह पीएचडी की तैयारी भी कर रहे हैं। उन्होंने इस बीच राम मंदिर के पुजारी के लिए भी आवेदन किया था, जिसमें उनका चयन हो गया है। इनके अलावा ऋषभ शर्मा वहां पहले से ही पुजारी के रूप में तैनात हैं।दूधेश्वरनाथ मंदिर के महंत नारायण गिरि ने बताया कि यह पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। इससे पहले आचार्य तयोराज उपाध्याय और आचार्य नित्यानंद को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का आमंत्रण आया है।

गांवों में घरों के बाहर की सड़कें भी बनाएंगे विश्वस्तरीय : जितिन प्रसाद

- उसे करके दिखाती है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश-प्रदेश में परिवर्तन की लहर चल रही है।

एनटीवी

ग्रेटर नोएडा। दादरी विधानसभा क्षेत्र के गांव आनंदपुर के जेएस पब्लिक स्कूल में मंगलवार को लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद ने 39 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गांवों में घरों के बाहर की सड़कों को भी विश्वस्तरीय बनाया जाएगा। पहले घोषणाएं हो जाती थीं, लेकिन काम नहीं। योगी सरकार में ये नहीं होता है। हम घोषणा नहीं काम करने वाले हैं। भाजपा सरकार जो कहती है, उसे करके दिखाती है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश-प्रदेश में परिवर्तन की लहर चल रही है। जनता की सभी समस्याओं को दूर किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग की ओर से शहर से लेकर गांव-गांव तक सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। गौतमबुद्धनगर की चर्चा आज देश-दुनिया में होती है। नोएडा-ग्रेनो में औद्योगिक निवेश तेजी से बढ़ रहा है, जबकि पहले यहां कोई आना नहीं चाहता था। भय एवं आतंक का माहौल था। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों का बोरिया बिस्तर बंध गया है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में जो भी सड़कें, सेतु व ओवरब्रिज बन रहे हैं उन्हें समय से पूरा किया जाए। अब जातिवाद व परिवारवाद नहीं चलेगा : बृजेश सिंह राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद साफ परिवर्तन दिख रहा है। तीन राज्यों के चुनाव परिणाम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश की जनता भाजपा के साथ है। अब जातिवाद व परिवारवाद नहीं चलेगा। देश में परिवारवाद की दुकान बंद होगी। अब विकासवाद की राजनीति होगी। बीमारु राज्य आज उत्तम प्रदेश बन गया है। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद महेश शर्मा, दादरी विधायक तेजपाल नागर, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशोदिया, एमएलसी नरेंद्र सिंह भाटी, एमएलसी शिक्षक श्रीचंद्र शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, नगर पालिका परिषद चेयरमैन गीता पंडित, जिलाध्यक्ष गजेंद्र भाटी, दादरी ब्लॉक प्रमुख बिजेंद्र भाटी देवा भाटी, नीरज राव, मनोज सिसोदिया आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क, ख, ग के बीच बकरियों की मैं-मैं

- प्रधानाचार्या बिमलेश देवी ने कहा कि बकरी बांधने वालों को जब भी कहते हैं वो सहानुभूति के लिए कोई झूठी कहानी सुना देते हैं।

एनटीवी

गाजियाबाद। प्राथमिक विद्यालय सराय पुख्ता में क, ख, ग के उच्चारण पर बकरियों की मैं-मैं का शोर छात्रों को पढ़ने नहीं दे रहा है। स्कूल के बाहर स्थानीय लोग बकरियों को बांध देते हैं और खुले में छोड़ देते हैं। इससे स्कूल आने-जाने में तो परेशानी होती है साथ ही बच्चे पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं। कई बार कहने के बाद भी आसपास रहने वाले लोग बकरियां बांधना नहीं छोड़ते। प्राथमिक विद्यालय में एक से पांचवीं कक्षा तक 53 बच्चे पढ़ते हैं। पांच कक्षाओं के बच्चों को संभालने और शिक्षित करने की जिम्मेदारी यहां एक ही शिक्षिका पर है। प्रधानाचार्य और स्कूल की इकलौती शिक्षिका विमलेश ने बताया कि वह कई बार आसपास के लोगों को स्कूल के बाहर बकरी बांधने को मना कर चुकी हैं और शिक्षा विभाग को भी शिकायत की गई है लेकिन कोई असर नहीं हुआ। इन बकरियों की वजह से स्कूल के बाहर हर समय गंदगी और बदबू रहती है। कई बार बकरियां आक्रामक भी हो जाती हैं। प्रधानाचार्या बिमलेश देवी ने कहा कि बकरी बांधने वालों को जब भी कहते हैं वो सहानुभूति के लिए कोई झूठी कहानी सुना देते हैं। कुछ दिन तक थोड़ी साफ-सफाई करते हैं और फिर वही हाल हो जाता है। इसकी वजह से स्कूल में हमेशा गंदगी रहती है। स्कूल के बाहर खड़े वाहनों को भी बकरियां गंदा कर देती हैं। स्कूल के बाहर लगा है कूड़े का ढेर :स्कूल के बाहर बकरियों की वजह से तो गंदगी रहती ही है। इसके अलावा कूड़े का ढेर भी लगा रहता है। बच्चों को गंदगी में से ही गुजरना पड़ता है। गंदगी की वजह से बच्चों पर बीमारियों का खतरा बना रहता है। प्रधानाचार्य ने बताया कि नगर निगम में शिकायत भी की है लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। खंड शिक्षा अधिकारी को स्कूल की जांच करने के लिए निर्देशित किया जाएगा।

छह महीने में 31 हजार कैमरे लगे, 360 से अधिक घटनाओं का खुलासा

नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट में पिछले छह महीने में 31 हजार 246 कैमरे लगवाए गए हैं। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत जनपद में चिह्नित 11524 स्थानों पर ये कैमरे इंस्टॉल कराए गए। इसकी मॉनिटरिंग थाना स्तर पर हो रही है। इससे पुलिस अब पेट्रोलिंग के साथ साथ तीसरी आंख की मदद से भी अपने क्षेत्र में नजर रख रही है। अभी कई और स्थानों पर कैमरे लगवाए जाने की कवायद चल रही है। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगवाए गए सभी कैमरों का कंट्रोल पुलिस के पास है। हर थाने में एलईडी स्क्रीन लगवाई गई हैं। थाने में बैठकर पुलिसकर्मी स्क्रीन पर हॉट स्पॉट से लेकर भीड़भाड़ वाले इलाके, बाजार, बैंक से लेकर अन्य सार्वजनिक स्थानों पर नजर रख रहे हैं। कमिश्नरेट पुलिस की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक कैमरे के लिए जिन 11 हजार 524 जगहों का चयन किया गया।

आरआरटीएस कॉरिडोर के दूसरे चरण पर ट्रेनें दौड़ाने के लिए बिजलीघर से आपूर्ति शुरू

एनटीवी

गाजियाबाद। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पर प्राथमिक खंड से आगे अब परतापुर तक नमो भारत ट्रेन का संचालन शुरू करने की तैयारी तेज कर दी गई है। मुरादनगर में बनाए गए विद्युत सब-स्टेशन को मंगलवार को चालू कर 33केवी की क्षमता पर विद्युत आपूर्ति शुरू कर दी गई है। इस सब-स्टेशन से आरआरटीएस कॉरिडोर पर मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नॉर्थ, मेरठ साउथ और परतापुर स्टेशन तक विद्युत आपूर्ति दी जाएगी। एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि 70 मेगावाट क्षमता के इस रिसीविंग सब-स्टेशन पर 4 ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। मोदी नगर साउथ स्टेशन तक विद्युत सप्लाई के लिए 33 केवी केबल डाल दी गई है, जल्द ही मोदीनगर साउथ स्टेशन के एएसएस सब-स्टेशन में भी विद्युत आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। इस सेक्शन में विद्युत आपूर्ति के लिए उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीटीसीएल) से करार कर लिया गया है। यूपीपीटीसीएल के ग्रिड सब स्टेशन से 220 केवी की लाइनों से बिजली मुरादनगर स्थित रिसीविंग सब स्टेशन तक आ रही है और यहां से यह 25 केवी की बिजली ट्रेनों के संचालन के लिए और 33केवी की क्षमता पर बिजली आपूर्ति आरआरटीएस स्टेशनों की अन्य जरूरतों के लिए इस्तेमाल की जाएगी। ओएचई वायर बनाने का काम हुआ तेज मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि 25 केवी और 33केवी क्षमता के केबल आरआरटीएस के वायाडक्ट पर लगाए जा रहे हैं। ट्रेन चलाने के लिए लगे ओवरहेड वायर (ओएचई) और 33केवी क्षमता वाली केबल को आरआरटीएस स्टेशनों तक पहुंचाने का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। उच्च गुणवत्ता वाली यह ओवरहेड वायर ट्रेन को 180 किलोमीटर प्रतिघंटा की डिजाइन की गई रफ्तार से दौड़ाने में समर्थ होंगे। मुरादनगर स्टेशन पर एस्कलेटर की कमीशनिंग शुरू दूसरे चरण में पड़ने वाले सबसे पहले स्टेशन मुरादनगर में विद्युत आपूर्ति शुरू कर दी गई है। इसके बाद यहां लगे एस्कलेटर की कमीशनिंग का काम शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा स्टेशन पर लगे अन्य सभी विद्युत उपकरणों को संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा ग्रीन एनर्जी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए मुरादनगर रिसीविंग सब स्टेशन (आरएसएस) में सोलर प्लांट भी स्थापित किया गया है।

गाजियाबाद से ग्रेनो वेस्ट होते हुए नोएडा एयरपोर्ट पहुंचेगी रैपिड रेल

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को रैपिड रेल से जोड़ने का रूट फाइनल हो गया है। गाजियाबाद आरआरटीसी से ग्रेनो वेस्ट, सूरजपुर, कासना, दनकौर और यीडा के सेक्टरों से होते हुए एयरपोर्ट तक रैपिड रेल पहुंचेगी। रैपिड रेल की फिजिबिलिटी रिपोर्ट पर शासन की मुहर लग गई है। अब डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार होगी। 72 किमी लंबे इस रूट पर कुल 11 स्टेशन होंगे। परियोजना के पूरा होने का लक्ष्य 2031 रखा गया है, जिसे दो चरणों में पूरा किया जाना है। सोमवार को प्रदेश के मुख्य सचिव डीएस मिश्र ने एनसीआरटीसी, रेलवे, नागरिक उड्डयन व प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक की थी। इस दौरान फिजिबिलिटी रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण किया गया। दरसअल, नोएडा एयरपोर्ट तक दिल्ली-एनसीआर के शहरों से लोगों को आसानी से पहुंचाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। सड़क मार्ग के अलावा अन्य विकल्प भी तलाशें जा रहे हैं। शासन के दिशा-निर्देश पर यमुना प्राधिकरण ने नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) से रैपिड रेल की फिजबिलिटी रिपोर्ट बनवाई थी।

तलाक का केस लड़ते-लड़ते राजी हो गए साथ रहने के लिए

एनटीवी

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन के निवासी दिल्ली शिक्षा विभाग के अधिकारी और नोएडा में निजी कंपनी में सॉफ्टेयवर इंजीनियर युवती ने तीन साल तक परिवार न्यायालय में तलाक का मुकदमा लड़ने के बाद फिर से साथ रहने का फैसला लिया। दोनों तारीख दर तारीख से परेशान हो गए थे। एक दिन युवक ने पत्नी से पूछा कि आखिर वह चाहती क्या है? जवाब मिला, अगर तुम्हारी मां मेरे काम में दखल देना बंद कर तो कोई मसला ही न बचे। बस फिर क्या था, युवक ने मां से बात की। मां ने लिखित में दे दिया कि वह बहू के किसी काम में हस्तक्षेप नहीं करेंगी। इसी पर पति-पत्नी फिर से साथ रहने पर राजी हो गए। यह अकेला मामला नहीं है, जिसमें तलाक का केस लड़ते-लड़ते पति-पत्नी ने फिर से साथ रहने का फैसला लिया हो। इस साल 30 नवंबर तक 11 महीने में ऐसे 108 दंपती ने गिले-शिकवे भुलाकर फिर से साथ रहने का फैसला लिया है। अदालत ने भी इनके जज्बात देखते हुए दोनों को नए सिरे से जिंदगी शुरू करने की अनुमति दी है। ऐसे भी मामले हैं, जिनमें छोटी सी बात के लिए पति-पत्नी ने तलाक लेकर अलग होने का फैसला ले लिया था। कुछ वक्त गुजर जाने पर उन्हें गलती का अहसास हुआ और फिर से एक छत के नीचे आने पर राजी हो गए। पति ने कहा अब अब घर चलो और मिट गईं सारी दूरियां अधिवक्ता परविंदर नागर ने बताया कि लोनी निवासी युवती की शादी दिल्ली के सकलपुरा निवासी युवक के साथ हुई थी। दोनों अलग-अलग निजी कंपनी में नौकरी करते थे। शादी के दो साल बाद पत्नी ने दहेज मांगने का आरोप लगाकर अदालत में मुकदमा दाखिल कर दिया। छह महीने दोनों एक दूसरे से अलग रहे तो छोटी-छोटी बातों पर होने वाली तकरार को भुलाकर एक दूसरे की कमी महसूस करने लगे। एक दिन अदालत में सुनवाई के बाद दोनों एक साथ बाहर निकले तो युवक ने कहा, बहुत हुआ, अब घर चलो, उसके बाद बिना किसी आपत्ति के वह ससुराल चली गई। तीन महीने के बाद कोर्ट ने दोनों को साथ रहने की अनुमति दे दी। पांच साल में मिला तलाक छह माह बाद फिर से की शादी अधिवक्ता राजकुमार चौहान ने बताया कि इंदिरापुरम निवासी युवती ने लखनऊ निवासी युवक का तलाक पांच साल चले मुकदमे के बाद हुआ। इसके छह महीने बाद दोनों ने फिर से शादी की। इसकी वजह बना उनका बेटा। उसकी खातिर दोनों फिर से एक हुए हैं। दोनों की मुलाकात नोएडा की एक कंपनी में काम करते समय हुई थी। दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया। शादी के तीन साल बाद गौतमबुद्धनगर की अदालत में तलाक का मुकदमा डाल दिया। केस चलने के दौरान ही बेटे का जन्म हुआ था। खत्म हो रही सुनने-सहने की क्षमता परिवार न्यायालय के पूर्व प्रधान न्यायाधीश एससी त्रिपाठी का कहना है कि बदलते परिवेश में अब युवक-युवतियों में एक दूसरे की बात सुनने व सहने की क्षमता खत्म हो रही है। छोटी-छोटी बात पर अदालत चले जाते हैं, लेकिन अदालत में लंबी तारीख लगने के बाद कुछ लोगों का भूल का एहसास होता है। ऐसे लोग मुकदमा वापस ले लेते हैं

आठ महीने बाद भी नहीं आया फंड

एनटीवी

नोएडा। जिले के चार स्कूलों का चयन प्रधानमंत्री स्कूल फार राइजिंग इंडिया (पीएमश्री) के लिए हो चुका है। इन स्कूलों में सत्र शुरू हुए आठ महीने बीत गए हैं, लेकिन अभी तक शासन से स्कूलों के कार्याकल्प के लिए बजट नहीं मिल सका है। जबकि दिसंबर माह तक स्कूलों में काम पूरे होने थे। वहीं, दूसरे चरण में पीएमश्री योजना के लिए 12 स्कूलों के नाम शासन को भेजे गए हैं।

जिले में 512 परिषदीय स्कूल हैं। इसमें से दादरी और जेवर में दो-दो स्कूल चुने गए हैं। इन स्कूलों को हाईटेक बनाने के लिए प्रत्येक स्कूल पर 60 से 65 लाख रुपये खर्च किए जाने हैं। चारों स्कूलों पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर दो करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करेंगी, ताकि छात्रों को बेहतर सुविधाएं दी जा सकें। बजट नहीं मिलने की वजह से स्कूलों में कायाकल्प का काम शुरू नहीं किया जा सका है। कुछ स्कूलों में काम शुरू भी हुआ तो बजट की वजह से बीच में रुक गया है। स्कूल प्रबंधक भी सुविधाएं बढ़ाने के लिए बजट का इंतजार कर रहे हैं। स्कूलों में होना यह काम केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार स्कूलों में छात्रों की नींव को मजबूर करने के लिए आधुनिक शिक्षा पद्धति को अपनाने पर जोर दिया है। इसके लिए स्कूलों को अधिक सुविधाओं से लैस किया जाना है। नई शिक्षा नीति के तहत इन स्कूलों में प्रैक्टिकल समग्र एकीकृत वास्तविक जीवन की स्थितियों पर आधारित पढ़ाई कराई जाएगी। पीएम श्री स्कूल न सिर्फ स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों के लिए बल्कि आसपास के अन्य स्कूलों के लिए भी मार्गदर्शन और नेतृत्व प्रदान करेंगे। दो करोड़ रुपये से इन स्कूलों में नवीनतम तकनीक, स्मार्ट क्लास, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, पुस्तकालय, खेल के मैदान, प्रयोगशाला, विज्ञान प्रयोगशाला आदि विकसित की जानी है। इन स्कूलों का हुआ चयन पहले चरण में दादरी ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल दादरी और चिटहेडा को चुना गया है। जबकि जेवर ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल कानीगढ़ी ओर प्राथमिक स्कूल जेवर को चुना गया है। इन स्कूलों में काम किया जाना है। दो स्कूल दादरी और दो स्कूल जेवर के पीएमश्री योजना के तहत चुने गए हैं। प्रत्येक स्कूल के लिए 60 से 65 लाख रुपये का बजट आना है। हालांकि अभी बजट नहीं आया है। जल्द बजट आने की उम्मीद है।

एसआईटी के दायरे में जमीन अधिग्रहण के 1500 मामले

एनटीवी

नोएडा। यूपी सरकार की ओर से प्राधिकरण में मुआवजा वितरण में हुए कथित घोटाले के लिए गठित एसआईटी की जांच के दायरे में 1500 मुख्य फाइलें हैं। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी ने अब तक 700 फाइलें खंगाली हैं। इन फाइलों के आधार पर एसआईटी निष्कर्ष पर पहुंचने की कोशिश कर रही है। इनकी सूची भी बनाई जा रही है। शनिवार से एसआईटी की जांच चल रही है। सोमवार से एसआईटी के प्रमुख और चेयरमैन बोर्ड ऑफ रेवेन्यू हेमंत राव, एडीजी मेरठ राजीव सभरवाल और मेरठ मंडल की कमिश्नर सेल्वा कुमारी जे ने जांच की कमान संभाल रखी है। सुबह से शाम तक मुआवजा वितरण की फाइलों को खंगाला जा रहा है। फाइलों में अनियमितताएं तलाशी जा रही हैं, ताकि सुप्रीम कोर्ट के सामने जांच रिपोर्ट रखी जा सके। प्रथमदृष्टया 100 करोड़ के घोटाले से परतें हटाने की कोशिश हो रही है। जांच का काम ठीक तरीके से हुआ तो इससे बड़ा घोटाला सामने आ सकता है। 2009 से अब तक की फाइलें मंगाई एसआईटी ने 2009 से लेकर अब तक की फाइलें मंगाई हैं। इसमें दो साल पहले की भी फाइलें हैं। जांच के केंद्र में मुआवजा वितरण में किया गया भुगतान है। किसे कितना और कब-कब भुगतान किया गया है यह सब कुछ जांच के दायरे में है। प्राधिकरण के मुताबिक, एसआईटी जो भी फाइलें मांग रही है। वह उन्हें मुहैया करा दिया जा रहा है। जांच के बाद के निष्कर्ष की जानकारी एसआईटी नहीं दे रही है। जांच के दौरान किसी को भी बोर्ड रूम में अंदर नहीं आने दिया जा रहा है। वित्तीय हानि वाले केस भी रडार पर नोएडा प्राधिकरण की ओर से मुआवजा वितरण के कई मामलों में कोर्ट में हार का मुंह देखना पड़ा। इसमें यह भी देखा जा रहा है कि कौन-कौन से केस प्राधिकरण हारा है और कितना अतिरिक्त मुआवजा देना पड़ा। डीएलएफ के मामले में विरन्ना रेड्डी को प्राधिकरण ने 295 करोड़ का मुआवजा दिया है। इस केस को भी उठाया गया। यहां प्राधिकरण का तर्क है कि कोर्ट से रेड्डी ने और भी अधिक मुआवजे का आदेश पारित कराया, लेकिन बाद में प्राधिकरण ने सेटलमेंट किया और करोड़ो रुपये बचाते हुए 295 करोड़ की राशि दी। इसी तरह से कोर्ट के करीब एक हजार से ज्यादा केसों में प्राधिकरण की कार्यशैली की भी जांच हो रही है। संभव है कि प्राधिकरण के अधिकारी इन मामलों में जांच के दायरे में आ जाएं। आपसी सहमति से हुए बैनामे भी जांच के दायरे में

सूत्रों का कहना है कि जमीन अधिग्रहण के दौरान किस तरह से काम किया गया। पेमेंट की फाइलें, कितने अधिग्रहण हुए, कितने बैनामे हुए इन सब फाइलों की मांग एसआईटी ने मांगी। इसमें 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजे की भी जांच एसआईटी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक आपसी सहमति के आधार पर खरीदी गई जमीन और दिए गए मुआवजे में भी घालमेल की शिकायतें हैं। इनकी भी जांच चल रही है। 12 मामलों को आधार बनाते हुए चल रही जांच

एसआईटी उन 12 मामलों को भी आधार बनाते हुए जांच कर रही है, जिसमें गलत जानकारी देते हुए मुआवजा उठा लिया गया।

263 में 247 औद्योगिक इकाइयां कर रहीं हैं अवैध भूजल दोहन

- यह सर्वे एक सैंपल भर है। जिले में 28 औद्योगिक क्षेत्र हैं इसके अलावा रिहायशी, व्यवसायिक क्षेत्रों का भी सर्वे होना चाहिए।

एनटीवी

गाजियाबाद। जिले की 263 औद्योगिक इकाईयों में से 247 इकाईयां अवैध भूजल दोहन कर रही हैं। इनमें से भी कविनगर क्षेत्र की इकाईयां शत प्रतिशत अवैध रूप से दोहन करती पाई गई हैं। लघु सिंचाई विभाग सहित चार विभागों के अधिकारी मिलकर यह सर्वे कर रहे हैं जिसमें से अभी तक हुए सर्वे में यह रिपोर्ट सामने आई है। अति भूगर्भ जल दोहन से गाजियाबाद रेड जोन में आ गया है। जल स्तर प्रति वर्ष ढाई से तीन मीटर नीचे खिसकता जा रहा है। इसके बाद प्रशासन ने जिले की सभी छोटी- बड़ी इकाईयों का सर्वे शुरू कर दिया है। जिले में लगभग 28 हजार छोटे बड़ी औद्योगिक इकाइयां चल रही हैं जिसमें से छह हजार इकाइयों की सूची राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने जल प्रबंधन समिति को सौंप थी। इन सभी में बोरवेल का सर्वे कराया जा रहा है। लघु सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता हरिओम ने बताया कि बिना एनओसी के भूगर्भ जल दोहन करने वाली छह हजार इकाइयों की सूची मिली है जिसके आधार पर सर्वे चल रहा है। कुछ इकाइयों में ही एनओसी पाई गई है बाकी में अवैध रुप से भूजल दोहन होता पाया है। अभी और सूची आने वाली है। लगातार सर्वे अभियान चलेगा उसके इसको पूरा होने में कई महीने लगने की संभावना है। पांच विभाग मिलकर कर रहे हैं सर्वे लघु सिंचाई विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जल निगम, भूगर्भ जल विभाग और जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के अधिकारी जांच में लगे हैं। गाजियाबाद का नगर-निगम ब्लॉक देश का पहला अधिसूचित क्षेत्र है। इसके बावजूद लगातार जलदोहन जारी है। यह सर्वे एक सैंपल भर है। जिले में 28 औद्योगिक क्षेत्र हैं इसके अलावा रिहायशी, व्यवसायिक क्षेत्रों का भी सर्वे होना चाहिए। नगर-निगम, नगर पालिका का कत्तर्व्य है कि वह सभी को पानी मुहैया कराए। इसके लिए मैंने उद्योगों को ट्रीटेड पानी की सप्लाई करने का प्रस्ताव दिया था। आकाश वशिष्ठ, विषय विशेषज्ञ,नामित सदस्य, भूगर्भ जल प्रबंधन समिति रूप नगर ए ब्लॉक लोनी औद्योगिक क्षेत्र - 50 - 43 मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र - 15 -13 बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र - 44 - 44 साइट फोर, साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र - 21 - 17 कविनगर औद्योगिक क्षेत्र - 130 - 130 सर्वे के बाद इन इकाइयों को नोटिस जारी किया जाएगा उसके बाद भी अनुमति ना लेने पर खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उद्योगों को ट्रीटेड पानी सप्लाई करने का भी प्रस्ताव आया था। उस प्रस्ताव पर साहिबाबाद क्षेत्र में काम चल रहा है।

एसयूवी की बिक्री में उछाल सड़क सुरक्षा के लिए बुरी खबर है, जानें ग्लोबल एनसीएपी अध्यक्ष ने ऐसा क्यों कहा

एनटीवी

ग्लोबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (ग्लोबल एनसीएपी) के कार्यकारी अध्यक्ष डेविड वार्ड का कहना है, विभिन्न देशों में हाल के अध्ययनों से पता चला है कि कार उद्योग का हर सेगमेंट में बड़ी और भारी एसयूवी बेचने का निरंतर प्रयास सड़क सुरक्षा के लिए बुरी खबर है। खासतौर से छोटे, ज्यादा कुशल वाहन चलाने वालों और कमजोर सड़क उपयोगकताओं के लिए।

भारत को स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों (एसयूवी) के लिए अमेरिका की तरह के रास्ते को अपनाने से बचना चाहिए।

क्योंकि वे अन्य छोटी कारों, पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों के लिए सड़कों को कम सुरक्षित बनाते हैं।

गौरतलब है कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा घातक सड़क दुर्घटनाओं वाले देशों में से एक है।

ग्लोबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (ग्लोबल एनसीएपी) के कार्यकारी अध्यक्ष डेविड वार्ड का कहना है, विभिन्न देशों में हाल के अध्ययनों से पता चला है कि कार उद्योग का हर सेगमेंट में बड़ी और भारी एसयूवी बेचने का निरंतर प्रयास सड़क सुरक्षा के लिए बुरी खबर है। खासतौर से छोटे, ज्यादा कुशल वाहन चलाने वालों और कमजोर सड़क उपयोगकताओं के लिए। भारत जैसे देशों के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि सरकार बाजार को ऐसे वाहनों की ओर धकेले जो सभी सड़क उपयोगकताओं के लिए उपयुक्त और सुरक्षित हों।''

वह सड़क यातायात शिक्षा संस्थान (आईआरटीई) द्वारा मंत्रालय की साझेदारी में आयोजित तीन दिवसीय ₹ग्लोबल रोड सेफ्टी इनिशिएटिव' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम सड़क परिवहन और राजमार्ग, भारत सरकार, और एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (वठएरउअढ) और यूरोप के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग (वठएउए) के सहयोग से आयोजित किया गया।

वार्ड ने कहा, भारत और अन्य देशों में एसयूवी की लगातार बढ़ती मांग एक बड़ी सड़क सुरक्षा और पर्यावरण चुनौती है।

सरकारों को इन बड़े वाहनों की बिक्री को हतोत्साहित करना चाहिए।

हाल के वर्षों में, कारें भारी, लंबी और ज्यादा पावरफुल हो गई हैं।

कई अध्ययनों से पता चला है कि एसयूवी और पिक-अप वाहन लगभग किसी भी दुर्घटना में कमजोर सड़क उपयोगकताओं के लिए ज्यादा घातक हैं।

उन्होंने कहा, सड़क उपयोगकताओं के लिए घातक चोटों का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि वाहन की बोनट की ऊंचाई उनसे टकराने के कारण बढ़ गई है। उदाहरण के लिए, किसी पैदल यात्री या साइकिल चालक को 90 सेमी ऊंचे बोनट वाली कार से टक्कर लगने पर 10 सेमी ऊंचे बोनट वाले वाहन से टकराने की तुलना में घातक चोट लगने का जोखिम 30 प्रतिशत ज्यादा होता है। उन्होंने कहा, ''बड़ी एसयूवी ने मिड-साइज की एसयूवी की तुलना में अन्य सड़क उपयोगकताओं के लिए गंभीर चोट के जोखिम को लगभग एक तिहाई बढ़ा दिया है।''

वार्ड ने कहा, हर सेगमेंट में बड़ी और भारी एसयूवी बेचने के लिए कार उद्योग का निरंतर प्रयास सड़क सुरक्षा के लिए बुरी खबर है। लेकिन खासतौर से छोटे, ज्यादा कुशल वाहन चलाने वालों और कमजोर सड़क उपयोगकताओं के लिए। भारत सरकार ने सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए अधिकतम कदम उठाए हैं। हाल के कुछ वर्षों में जीएनसीएपी के अलावा किसी और के साथ साझेदारी के साथ भारत एनसीएपी का विकास शामिल है। भारत दुनियाभर की सबसे अच्छी चीजों पर नजर रखते हुए वैश्विक सड़क सुरक्षा प्रथाओं को अपना रहा है।

नवंबर में ऑटोमोबाइल बिक्री में 18 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी हुई, फाडा ने जारी किए आंकड़े

एनटीवी

नवंबर महीने में भी वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के मुताबिक बीते महीने में देशभर में कितने वाहनों की बिक्री हुई। आइए जानते हैं।

देशभर में वाहनों की बिक्री में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। यात्री वाहन के साथ ही दो पहिया वाहन, कमर्शियल वाहन सहित सभी सेगमेंट में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। फाडा के मुताबिक नवंबर 2023 के दौरान कितने वाहनों की बिक्री हुई है। इसकी जानकारी हम आपको इस खबर में दे रहे हैं।

कितनी हुई बिक्री

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन की ओर से नवंबर महीने में कुल वाहनों की बिक्री में मंथ ऑन मंथ बेसिस पर करीब 35 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, और ईयर ऑन ईयर बेसिस पर 18 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। फाडा की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर महीने में कुल 2854242 यूनिट्स वाहनों की बिक्री हुई। इसमें यात्री वाहन, तिपहिया वाहन, दो पहिया वाहन शामिल हैं। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक नवंबर 2022 के दौरान देशभर में कुल 2409535 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। किस सेगमेंट में कितनी हुई बिक्री फाडा की रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर 2023 के दौरान यात्री वाहन सेगमेंट में 360431 यूनिट्स की बिक्री हुई। जबकि नवंबर 2022 के दौरान यह संख्या 307550 थी। वहीं अक्तूबर महीने में यह संख्या 353990 यूनिट्स थी। दो पहिया वाहन सेगमेंट में नवंबर 2023 के दौरान मोटरसाइकिल, स्कूटर और मोपेड की कुल बिक्री 2247366 यूनिट्स की रही। वहीं तिपहिया वाहनों की बिक्री का कुल योगदान 99890 यूनिट्स का रहा। नवंबर में 61969 यूनिट्स ट्रैक्टर और 84586 यूनिट्स कमर्शियल वाहनों की बिक्री हुई।

कैसी रही बिक्री

फाडा की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक नवंबर 2023 के दौरान यात्री वाहन सेगमेंट में मंथली बेसिस पर करीब 1.82 फीसदी की ग्रोथ रही। वहीं ईयर ऑन ईयर बेसिस पर 17.19 फीसदी की ग्रोथ दर्ज हुई। दो पहिया वाहनों की बिक्री में मंथली बेसिस पर करीब 49.05 फीसदी की बढ़त रही, जबकि ईयर ऑन ईयर बेसिस पर पिछले साल के मुकाबले बीते महीने में 21.08 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली। तिपहिया वाहनों की बिक्री में ईयर ऑन ईयर बेसिस पर 23.31 फीसदी और कमर्शियल वाहनों के सेगमेंट में करीब 1.82 फीसदी की नेगेटिव ग्रोथ दर्ज की गई।

सर्दियों में पहाड़ों पर कार से है सफर करना, तो इस फीचर का करें उपयोग, रहेंगे सुरक्षित

एनटीवी

अगर आप सर्दियों के मौसम में पहाड़ों पर घूमने का मन बना रहे हैं। तो कार में एक फीचर से आपको बड़ी मदद मिलती है। यह फीचर कौन सा है। आइए जानते हैं।

भारत के उत्तरी राज्यों में सर्दियों की शुरूआत हो गई है। पहाड़ों पर कम तापमान के साथ ही बर्फ पड़ने पर अक्सर लोग अपनी कारों से घूमने जाते हैं। ऐसे में सुरक्षित सफर के लिए कारों में कई फीचर्स मिलते हैं। लेकिन हम एक ऐसे फीचर की जानकारी आपको दे रहे हैं, जो पहाड़ों पर काफी मदद करता है।

कौन सा है फीचर

महंगी कारों के साथ ही कई कम कीमत वाली कारों में भी कंपनियों की ओर से एक बेहतरीन फीचर को ऑफर किया जाता है। इस फीचर को हिल होल्ड असिस्ट के नाम से जाना जाता है।

होता है खतरा

अगर मैदानी इलाकों में कार चलाने वाले ड्राइवर अपनी कार को पहाड़ों पर ले जाते हैं। तो उनके सामने कार को अपनी जगह पर रोकने के साथ ही आगे बढ़ाने में काफी परेशानी आती है। कई बार कार पर कंट्रोल खत्म होने पर हादसा होने का खतरा भी होता है।

मिलती है मदद

पहाड़ों पर अक्सर कार को एक बार पूरी तरह रोकने के बाद चलाया जाता है। ऐसे में बिना अनुभव वाले ड्राइवर के लिए यह फीचर काफी मदद करता है। इस फीचर के कारण कार पीछे जाने से खुद को रोकती है। जिससे ड्राइवर को कार को सिर्फ आगे बढ़ाने में ही ध्यान लगाना पड़ता है। इस तरह कार को पहाड़ों पर इस फीचर के साथ चलाने में मदद मिलती है।

कैसे करता है काम

इस फीचर के साथ आने वाली कारों में यह तब काम करता है जब कार पूरी तरह से रूक जाए या फिर इंक्लाइंड सरफेस पर हो और चलने वाली हो। जब आपकी कार ऊंचाई पर होती है और पूरी तरह से रूकी हुई होती है तब आप ब्रेक पर से पैर हटाते हैं तो कार हल्की सी पीछे जाती है ऐसे में ये फीचर अपना काम करता है और कार को पीछे जाने से रोकने में मदद करता है।

इन पांच तरीकों से रखें अपने स्कूटर का ध्यान, मिलेगा सबसे ज्यादा एवरेज, जानें डिटेल

एनटीवी

भारतीय बाजार में पेट्रोल के दाम काफी कम समय में काफी ज्यादा हो गए हैं। ऐसे में अगर आप स्कूटर चलाते हैं, तो बेहतर एवरेज के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। आइए जानते हैं।

देश में बड़ी संख्या में दो पहिया वाहनों का उपयोग होता है। इनमें से स्कूटर का भी काफी ज्यादा उपयोग किया जाता है। लेकिन अक्सर लोग कम एवरेज से परेशान रहते हैं। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं कि अगर आप भी कुछ बातों का ध्यान रखें तो किस तरह से एवरेज को बेहतर किया जा सकता है।

समय पर सर्विस

अक्सर लोग अपने स्कूटर की सर्विस समय पर नहीं करवाते, जिसकी वजह से इंजन पर बुरा असर पड़ता है। इंजन पर खराब असर होने के कारण स्कूटर में तेल की खपत बढ़ जाती है। अगर आप भी सर्विस करवाना भूल जाते हैं, तो ऐसे में स्कूटर की मैनुअल बुक को देखा जा सकता है। उसमें जानकारी होती है कि आपको स्कूटर की सर्विस कब करवानी चाहिए।

साफ रखें फिल्टर

सर्विस के समय तो एयर फिल्टर की सफाई होती ही है, लेकिन अगर आप बीच में भी एयर फिल्टर को साफ करवाते हैं, तो भी एवरेज को बढ़ाने में मदद मिलती है। कोशिश कीजिये कि हर 500-1000 किलोमीटर के बाद एयर फिल्टर की सफाई करा लें। शहरों में इतना ज्यादा प्रदूषण होता है कि एयर फिल्टर जल्दी गंदा होने लगता है। अगर इसे नियमित तौर पर साफ किया जाएगा तो इंजन की परफॉरमेंस के साथ ही एवरेज में भी इजाफा होगा।

कितनी स्पीड है सही

बेहतर एवरेज लेने के लिए हमेशा स्कूटर को तय स्पीड में ही चलाना चाहिए। इससे एवरेज सही रखने में मदद मिलती है। जानकारों के मुताबिक स्कूटर की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक ही रखनी चाहिए। इस स्पीड में स्कूटर चलाने पर इंजन बेहतर तरीके से काम करता है और ईंधन की खपत भी कम हो जाती है जिससे एवरेज बढ़ता है। तय स्पीड में चलाने पर बेहतर एवरेज मिलने के साथ ही स्कूटर पर पूरा कंट्रोल रहता है और दुर्घटना होने का खतरा भी काफी कम हो जाता है।

स्पार्क प्लग भी रखें साफ

स्कूटर के इंजन तक सही मात्रा में करंट पहुंचाने के लिए स्पार्क प्लग का उपयोग किया जाता है। ऐसे में स्पार्क प्लग की सफाई भी बेहद जरूरी होती है। अगर यह साफ ना हो तो इंजन तक करंट पहुंचने में परेशानी होती है और इसका असर एवरेज पर भी होता है। इसलिए समय-समय पर स्पार्क प्लग को चेक करें और जरुरत पड़ने पर बदलें।

यदि आप इन पांच श्रेणियों में आते हैं तो टोल टैक्स देने की नहीं है जरूरत, अपने अधिकारों को जानें

एनटीवी

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने हाल के वर्षों में टोल प्लाजा पर ट्रैफिक के स्मूद फ्लो को सुनिश्चित करने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। लेकिन हम अभी भी लंबी कतारों का सामना करते हैं। क्योंकि कुछ मोटर चालकों को लगता है कि वे मुफ्त में गुजरने के हकदार हैं। जबकि ऐसे मोटर चालकों के पास उस आजादी की उम्मीद करने के लिए अक्सर कई बहाने होते हैं। एनएचएआई के दिशानिदेर्शों के तहत वाहनों की सिर्फ 5 श्रेणियां हैं जिन्हें टोल का भुगतान करने से छूट दी गई है और कोई अन्य अपवाद नहीं है।

यहां हम आपको उन पांच श्रेणियों के बारे में और टोल भुगतान से छूट की एक खास परिस्थिति के बारे में बता रहे हैं। जो आपको किसी विशेष टोल का भुगतान नहीं करने में मदद करेगी, यदि आपको किसी लापरवाह ड्राइवर के कारण परेशानी हुई।

टोल टैक्स का भुगतान करने के लिए इन वाहन श्रेणियों को मिली है छूट

आपातकालीन सेवाएं

रक्षा सेवाएं

वीआईपी वाहन

सार्वजनिक परिवहन दोपहिया वाहन मुताबिक, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और पुलिस वाहनों जैसे आपातकालीन वाहनों को टोल का भुगतान करने से छूट दी गई है। सेना, नौसेना या वायु सेना के तहत सेवा में रक्षा वाहन को भी छूट दी गई है। और राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों से लेकर विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को राज्य की यात्रा पर ले जाने वाले वीआईपी वाहनों को भी छूट दी गई है। कुछ नेशनल हाईवे प्लाजा पर दोपहिया वाहनों को छोड़कर, राज्य सरकार द्वारा संचालित सार्वजनिक परिवहन वाहन और दोपहिया वाहन भी टोल का भुगतान करने से मुक्त हैं।

इस परिस्थिति में मिल सकती है छूट

हालांकि किसी भी परिस्थिति में नागरिक कारों को टोल टैक्स का भुगतान करने से छूट नहीं दी गई है। लेकिन अपडेटेड एनएचएआई दिशानिदेर्शों के मुताबिक वाहनों को 100 मीटर से ज्यादा की कतार में लगने की इजाजत नहीं है। और टोल प्लाजा को प्रति वाहन 10 सेकंड से ज्यादा का सर्विस टाइम लेने की आवश्यकता नहीं है। यदि ये शर्तें पूरी नहीं हुई हैं और आपको इंतजार करना पड़ा है और कतार 100 मीटर से ज्यादा लंबी है, तो दिशानिदेर्शों के तहत टोल कर्मचारियों को कारों को तब तक मुफ्त में जाने देना होगा जब तक कि कतार 100 मीटर के दायरे में न आ जाए।

टोल टैक्स

100 मीटर कतार सीमा की पहचान करने के लिए, प्रत्येक टोल लेन पर एक पीला लाइन मार्कर होता है जिसे पुष्टि करने के लिए विजुअली देखा जा सकता है। ऐसा टोल प्लाजा ऑपरेटरों के बीच जवाबदेही की भावना को बढ़ावा देने के लिए किया गया है।

अयोध्या से हटा था विवादित ढांचा

6 दिसंबर 1992 की सुबह ह्यजय श्रीरामह्न ह्यरामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगेह्न, जैसे नारे अयोध्या में गूंजने लगे। हिन्दू हृदय सम्राट अशोक सिंहल, श्रीराम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष व दिगम्बर अखाड़ा के महंत रामचन्द्रदास परमहंस के नेतृत्व में दिग-दिगन्त में कालजयी नारे गूँज रहे थे। विवादित ढांचे से करीब 200 मीटर की दूरी पर बने विशाल मंच पर कई नेता, साधु-संत बैठे थे। इस मंच पर लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती, कलराज मिश्र और विनय कटियार समेत कई नेता मौजूद थे।

फैजाबाद के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में सुबह 9 बजे पूजा पाठ चल रहा था। लोग भजन-कीर्तन कर रहे थे। दोपहर 12 बजे के आसपास दोनों ने बाबरी मस्जिद राम जन्मभूमि परिसर का दौरा भी किया था। हालांकि, दोनों ही यह भांपने में नाकाम रहे कि कुछ देर बाद ही वहां ऐसा कुछ भी होने वाला है, जिसे कई दशकों तक याद किया जाएगा। उनके दौरे के कुछ ही देर बाद वहां का माहौल एकदम बदल गया। दोपहर में अचानक माहौल बदलता चला गया। विहिप ने प्लान बनाया कि राम जन्मभूमि परिसर से एक–एक मुट्ठी बालू ले जाकर सरयू में डालेंगे और प्रतीकात्मक कारसेवा करेंगे। लेकिन कारसेवक इससे सहमत नहीं थे। रामभक्तों ने संकल्प लिया कि मुख्य विवाद की जड़ यह विवादित ढांचा ही है इसलिए आज हम ढांचे का हटाकर ही मानेंगे। 30 अक्टूबर और 2 नवम्बर 1990 को अयोध्या में कारसेवकों पर गोलीबारी की घटना को याद कर कारसेवक लगातार उत्तेजित हो रहे थे। फिर क्या था देखते ही देखते कारसेवक बैरीकेडिंग तोड़कर विवादित ढांचे के पास पहुंच गये। मंच से कारसेवकों को रोकने का प्रयास भी हुआ लेकिन कारसेवक नहीं माने। कुछ कारसेवक ढांचे के ऊपर चढ़ने लगे कुछ अंदर घुस गये। इस बीच सीआरपीएफ के जवानों ने हवाई फायर भी किया। तुरन्त बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक विनय कटियार ने कहा कि जितने भी सुरक्षाकर्मी हैं अपने स्थान से 10 कदम पीछे हट जायें। इसके बाद कल्याण सिंह ने विवादित ढांचा विध्वंस की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपना इस्तीफा सिर्फ एक लाइन में लिखा था। इसमें लिखा था, ह्यमैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे रहा हूं, कृपया स्वीकार करिएह्न। कल्याण सिंह ने कहा था कि यह सरकार राम मंदिर के नाम पर बनी थी और उसका मकसद पूरा हुआ। ऐसे में यह सरकार राममंदिर के नाम पर कुर्बान है। प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने हड़बड़ाहट में हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान की सरकार भी भंग कर दी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने स्वयं इस्तीफा दे दिया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल पर प्रतिबंध लगा दिया गया। 06 दिसंबर 1992 को ढांचा ढह जाने के बाद तत्काल बीच वाले गुम्बद के स्थान पर ही भगवान का सिंहासन और ढांचे के नीचे परम्परा से चला आ रहा राम का विग्रह सिंहासन पर स्थापित कर पूजा प्रारम्भ कर दी गयी। हजारों भक्तों ने रात और दिन मेहनत करके बिना औजारों के केवल हाथों से उस स्थान के चार कोनों पर चार बल्लियां खड़ी करके कपड़े लगा दिए। पांच–पांच फीट ऊंची, 25 फीट लम्बी, 25 फीट चौड़ी ईंटों की दीवार खड़ी कर दी और बन गया मंदिर। मन्दिर निर्माण के लिए आक्रांताओं से लड़े गए 76 युद्धों में लाखों की संख्या में बलिदान के बाद रामलला अस्थायी मन्दिर में विराजमान हुये थे। बाद में परिसर केन्द्रीय सुरक्षा बलों के हाथ में चला गया, परन्तु केन्द्रीय सुरक्षा बल के जवान भगवान की पूजा करते रहे। बाद में एडवोकेट हरिशंकर जैन ने उच्च न्यायालय में गुहार लगाई कि भगवान भूखे हैं। राग, भोग, पूजन की अनुमति दी जाए। 01 जनवरी 1993 को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति हरिनाथ तिलहरी ने दर्शन–पूजन की अनुमति प्रदान की।06 दिसम्बर 1992 को जब ढांचा गिर रहा था तब उसकी दीवारों से शिलालेख भी प्राप्त हुआ था। विशेषज्ञों ने पढ़कर बताया कि यह शिलालेख 1154 ई. का है। इसमें संस्कृत में 20 पंक्तियां लिखी हैं। ऊं नमः शिवाय से यह शिलालेख प्रारम्भ होता है। विष्णुहरि के स्वर्ण कलशयुक्त मंदिर का इसमें वर्णन है। अयोध्या के सौन्दर्य का इसमें वर्णन है। दशानन के मान–मर्दन करने वाले का वर्णन है। ये समस्त पुरातात्विक साक्ष्य उस स्थान पर कभी खड़े रहे भव्य एवं विशाल मंदिर के अस्तित्व को ही सिद्ध कर रहे थे। 06 दिसम्बर 1992 की घटना राष्ट्रीय अपमान का परिमार्जन कर राष्ट्रीय स्वाभिमान के पुनर्प्रतिष्ठा के महायज्ञ का श्रीगणेश था। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे जीवनकाल में रामलला का भव्य मन्दिर आकार ले रहा है और आगामी 22 जनवरी 2024 को पूज्य संतों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र

ठंडी के दिन और नहाने की झिकझिक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

ठंड शिविर चल रहा है। बिन नहाए गिनिज बुक में कीर्तिमान स्थापित करने वाले स्नानाचार्य लोटासागर जी स्नान न करने के फायदे पर प्रवचन दे रहे हैं। अपने मुँह का ताला खोलते हुए बोले झ ठंडी के दिन और ठंडी की बातें गर्मी नहीं दे सकते। इसके लिए कुछ गरमागरम बोलना पड़ता है। तू-तड़ाक करने से गर्मी पैदा होती है। हो सको तो किसी से दो-चार बातें सुन लो या फिर गाल पर तमाचे वाली लाली ही सजा लो। वैसे भी कबीरदास कह गए हैं कि ह्नहाये धोये क्या हुआ, जो मन का मैल न जाए ; मीन सदा जल में रहे, धोये बास न जाएह्न। अर्थात स्नान निरर्थक है, असल बात मन का मैल है। मन का मैल धोने के लिए किसी से बात करनी पड़ती है। यही नहीं, कुछ ने तो यहाँ तक कहा है कि ह्नबच्चू बाबू एम.ए. करके सात साल झख मारे, इससे अच्छा होता, रजाई ओढ़ सो जाते ह्न। इसे संवाद-स्नान कहते हैं, प्रवचन-स्नान कहते हैं। घर में अगर लड़ने झगड़ने वाली गृहणी हो तो सदा चलने वाला कुम्भ स्नान है। ठंडी के दिनों में लोग नहाने को पाप समझते हैं। पानी से छत्तीस का आंकड़ा होता हैं। न नहाना भी एक बहादुरी का काम है। उन लोगों के लिए भी है जिन्हें अपने लिए नहीं दूसरों के लिए नहाना पड़ जाता है। हालाँकि देश में स्वच्छता अभियान चल रहा है और एक अच्छे नागरिक का फर्ज है कि वह इस अभियान में योगदान दे इसलिए ये उनके लिए भी है जिन्हें देश के लिए जबरन नहाना पड़ता है। कुछ अर्थव्यवस्था के जानकर हैं, वे साबुन-तेल उद्योग को बल देने ले लिए नहाते हैं। ज्यादातर ऐसे हैं जिन्हें पूजा करना पड़ती है, वे भगवान के लिए नहाते हैं, सोचते हैं नहाये धोये अगरबत्ती लगायेंगे तो बदले में प्रभु पिछले पाप धो देंगे। यहाँ नहाने का किसी न किसी मतलब से जुड़ाव होता है। सब किसी न किसी मजबूरी में नहाते हैं, कोई अपने शरीर के लिए नहीं नहाता है। क्यों नहाएं भई !? तो बास अपनी नहीं दूसरों की समस्या है, बोले तो अपन को क्या ! लाल, पीली, हरी किताबों में लिखा है नहाना एक ऐच्छिक कार्य है। आदमी नहाना चाहता है, बस इतना ही काफी है। ज्यादातर लोग पानी से नहाने को नहाना मानते हैं

शीत लहरी में समस्या बनते 'धुआं,धुंध और धूल'

लेखिका : निर्मल रानी

> इसके दुष्प्रभाव से अनजान इस वर्ग को इस बात का ज्ञान ही नहीं कि उनके द्वारा जलाई गयी सामग्री से उठने वाला जानलेवा धुआं न केवल उनके अपने लिये धीमा जहर का काम कर रहा है बल्कि यह आस पास के पूरे वातावरण को भी प्रदूषित कर रहा है और दूसरे तमाम राहगीरों या उस क्षेत्र के निवासियों के स्वास्थ के लिये भी समस्या खड़ी कर रहा है। यह स्थिति उन दिनों में और भी ज्यादा भयावह हो जाती है जब सर्दियों चादरों में लिपटी होती हैं।

साधन संपन्न लोगों के लिये बेशक सर्दी का मौसम प्रकृति प्रदत्त एक अनमोल सौगात है। क्योंकि वे अपनी सुविधानुसार गर्म कपड़ों, मंहगे कंबल रजाई,घरों में तापमान गर्म रखने के लिये विभिन्न प्रकार के ब्लोअर ,हीटर आदि यहाँ तक कि अपनी गाड़ियों में भी गर्म हवा की सारी व्यवस्था कर पाने की आर्थिक सामर्थ्य रखते हैं। परन्तु ठीक इसके विपरीत मंहगाई के इस दौर में जबकि इंसान का दो वक़्त की रोटी का प्रबंध कर पाना भी मुश्किल हो रहा हो,ऐसे में कोई भी गरीब आदमी सर्दियों से बचने के लिये इस तरह की सुविधाओं की बात सोच भी नहीं सकता। परन्तु वह गरीब व्यक्ति या उसका परिवार भी शीत लहरी के प्रकोप से स्वयं को बचाने के उपाय जरूर ढूंढता है। और किसी गरीब या बेघर व्यक्ति के लिये सर्दियों से बचने का सबसे सुगम सस्ता व उपलब्ध साधन होती है 'आग'। अक्सर देखा गया है कि शीतलहरी का प्रकोप बढ़ने पर ठण्ड से अधिक प्रभावित होने वाली विभिन्न राज्य सरकारें ऐसे गरीबों व बेघर लोगों की सुविधा के लिये सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने का भी प्रबंध करती हैं। परन्तु सही मायने में भारत जैसे विशाल देश में खास कर उत्तर भारत के शीत लहरी प्रभावित घनी आबादी वाले राज्यों में हर गरीब व बेघर तक न तो सरकार के 'अलाव ' की आंच पहुँचती है न ही सरकार द्वारा अलाव जलाने हेतु आवंटित पूरी धनराशि लकड़ियां खरीदने पर खर्च की जाती होंगी। इसी ठण्ड से बचने के लिये जब गरीबों,भिखारियों व बेघर लोगों को कुछ नहीं सूझता तो वे जगह जगह झुण्ड के रूप में इकट्ठे होकर स्वयं आग जलाने की व्यवस्था करते हैं। परन्तु इनके द्वारा जलाई गयी आग में अधिकांशतः पॉलीथिन,प्लास्टिक,पाऊच,दूध की खाली थैलियां यहाँ तक कि रबड़,टायर ट्यूब और पानी व कोल्ड ड्रिंक की बोतलें जैसी जहरीला धुआं छोड़ने वाली वस्तुयें जलाई जाती हैं। इसके दुष्प्रभाव से अनजान इस वर्ग को इस बात का ज्ञान ही नहीं कि उनके द्वारा जलाई गयी सामग्री से उठने वाला जानलेवा धुआं न केवल उनके अपने लिये धीमा जहर का काम कर रहा है बल्कि यह आस पास के पूरे वातावरण को भी प्रदूषित कर रहा है और दूसरे तमाम राहगीरों या उस क्षेत्र के निवासियों के स्वास्थ के लिये भी समस्या खड़ी कर रहा है। यह स्थिति उन दिनों में और भी ज्यादा भयावह हो जाती है जब सर्दियों के दिन और रातें घने कोहरे और धुंध की चादरों में लिपटी होती हैं। इस मौसम में प्रायः हवा भी नहीं चलती और उसी धुंध में यह जहरीला धुआं मिलकर वातावरण को इतना दुर्गन्धयुक्त,जहरीला व प्रदूषित बना देता है कि आम लोगों का सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। दमा,अस्थमा,सांस व कफ खांसी के मरीजों का तो इस वातावरण से गुजारना ही गोया मौत को दावत देने के सामान है। जहरीले धुयें के दुष्प्रभाव से केवल गरीब अनपढ़ या भिखारी बेघर वर्ग ही अनभिज्ञ नहीं बल्कि अक्सर यह भी देखा गया है कि स्थानीय नगर पालिकाओं के सफाई कर्मचारी भी झाड़ू से कूड़ा इकठ्ठा कर जगह जगह उसकी ढेरियां बना कर खुद ही अपने हाथों से उसमें आग लगा देते हैं। उस कूड़े के ढेर में भी अधिकांशतः प्लास्टिक,पॉलीथिन,पन्नी व रबड़ आदि ही रहता है जोकि जहरीला धुआं छोड़ता है। मजे की बात तो यह है कि एक बेघर या गरीब व्यक्ति तो केवल सर्दियों में अपने को शीतलहरी से बचाने के लिये प्लास्टिक,रबड़ आदि जलाता है परन्तु सफाई कर्मचारी और कबाड़ का काम करने वाले वे लोग जो रबड़ की तारों को जलाकर उसमें से तांबे के तार निकालते हैं,वे तो वर्ष भर अपने इसी 'प्रदूषण फैलाओ अभियान ' में लगे रहते हैं ? और प्रशासन व सरकारें मूक दर्शक बनकर आजाद देश के इन आजाद नागरिकों की करतूतों को देखती व नजरअंदाज करती रहती हैं । और जब इसी धुंध और धुएं में धूल भी शामिल हो जाये फिर तो सरकारें और डॉक्टर्स सभी यही सलाह देने लगते हैं कि अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। ऐसे ही अत्यंत प्रदूषित व स्वास्थ के लिये खतरनाक वातावरण में सरकारें स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर देती हैं। निर्माण कार्य बंद कर दिए जाते हैं। रेत, मिट्टी, बजरी आदि गृह निर्माण की ऐसे सामग्री जिसके आवागमन से मार्ग में प्रदूषण फैलता हो उन्हें प्रतिबंधित कर दिया जाता है। दिल्ली जैसे घने राज्य में तो सम-विषम नंबरों के आधार पर यातायात को इसलिए नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है ताकि वातावरण में धुआं नियंत्रित किया जा सके। किसानों को अपने खेतों में पराली तथा फसलों के अवशेष जलाने से रोका जाता है। इसके लिये कानून भी बनाये गये हैं। इसके अतिरिक्त हमारे धर्म प्रधान देश में धूप अगरबत्ती,लोबान,हवन दिया बाती आदि के माध्यम से तो पूरे देश में ही प्रदूषण होता ही रहता है। परन्तु धर्म भीरुओं की मानें तो उनके द्वारा फैलाया जाने वाला प्रदूषण,प्रदूषण नहीं बल्कि वातावरण को 'शुद्ध' करने वाला पवित्र धुआं होता है। ठीक इसके विपरीत दुनिया में अनेक जागरूक देश ऐसे भी हैं जहाँ किसी भी प्रकार का धुआं फैलाना अपराध की श्रेणी में गिना जाता है। ऐसे देशों की सरकारें अपने नागरिकों के लिये हर प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराती हैं। बेशक गरीबी वहां भी है परन्तु उनकी स्थिति ऐसी दयनीय भी नहीं कि उन्हें सड़कों से पॉलीथिन,प्लास्टिक,रबड़ या प्लास्टिक की बोतलें चुनकर जलानी पड़ें और इस तरह सर्दियों में अपनी जान बचानी पड़े। न ही वहां का कबाड़ी या सरकारी अमला कूड़े इकठ्ठा कर उनमें आग लगाकर प्रदूषण फैलता है।

सत्ता के लिए शक्ति प्रदर्शन में जुटी वसुंधरा

लेखक : रमेश सर्राफ धमोरा

> उसके बाद भी वह निर्दलीय चुनाव जीतने में सफल रहे। वह वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए पूरी लाबिंग में लगे हुए हैं। लोगों का कहना है कि वसुंधरा समर्थक होने के चलते ही यूनुस खान का टिकट काटा गया था और अब वह फिर से वसुंधरा राज्य को मुख्यमंत्री बनवाकर अपनी धमक दिखाना चाहते हैं। यूनुस खान वसुंधरा राजे की दोनों बार की सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। 2013 से 18 के वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में यूनुस खान, कालीचरण सर्राफ, अशोक परनामी, जैसे लोगों की एक चौकड़ी बनी हुई थी।

राजस्थान विधानसभा के चुनाव में भाजपा को 115 सीटों का पूर्ण बहुमत मिलने के बाद वहां अब मुख्यमंत्री पद को लेकर जोर आजमाईस शुरू हो गई है। राजस्थान का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा इसको लेकर दिल्ली में बैठकों का दौर जारी है। वही पार्टी नेता मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी-अपनी लाबिंग में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री कौन बनेगा इसका फैसला तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही करेंगे। लेकिन राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया भी मुख्यमंत्री पद की रेस में अपनी दावेदारी मजबूती से जता रही है। चुनावी नतीजे घोषित होने के बाद वसुंधरा राजे ना तो स्वयं दिल्ली गई ना ही उन्हें दिल्ली से किसी बड़े नेता ने बुलाकर चर्चा की। वसुंधरा राजे सिंधिया जयपुर स्थित अपने आवास पर भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों से मिलकर उनका समर्थन जुटा रही है। चर्चा है कि वसुंधरा राजे से अब तक करीबन 30 विधायकों की चर्चा मुलाकात हो चुकी है। वैर से विधायक बने बहादुर सिंह कोली व नसीराबाद से चुनाव जीते रामस्वरूप लांबा ने खुलकर वसुंधरा राज्य को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की है। मालवीय नगर से विधायक कालीचरण सर्राफ भी वसुंधरा की पैरवी करते नजर आ रहे हैं। डीडवाना से निर्दलीय चुनाव जीते यूनुस खान जिनका भाजपा ने इस बार टिकट काट दिया था। उसके बाद भी वह निर्दलीय चुनाव जीतने में सफल रहे। वह वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए पूरी लाबिंग में लगे हुए हैं। लोगों का कहना है कि वसुंधरा समर्थक होने के चलते ही यूनुस खान का टिकट काटा गया था और अब वह फिर से वसुंधरा राज्य को मुख्यमंत्री बनवाकर अपनी धमक दिखाना चाहते हैं। यूनुस खान वसुंधरा राजे की दोनों बार की सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। 2013 से 18 के वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में यूनुस खान, कालीचरण सर्राफ, अशोक परनामी, राजपाल सिंह शेखावत, प्रताप सिंह सिंघवी जैसे लोगों की एक चौकड़ी बनी हुई थी। जो वसुंधरा राजे को हर वक्त घेरे रहती थी। इसी चौकड़ी के कारण वसुंधरा राजे आमजन से कट गई थी। स्थिति यहां तक आ गई थी कि उस दौरान कई वरिष्ठ विधायकों की लगातार प्रयास के उपरांत भी महीनों तक वसुंधरा राजे से मुलाकात नहीं हो पाती थी। वसुंधरा राजे के सिपाहसालारों के मनमाने फैसलों के चलते ही 2018 में भाजपा को करारी हार झेलनी पड़ी थी। उसके बाद से ही वसुंधरा राजे भाजपा में साइड लाइन कर दी गई थी। अब वसुंधरा राजे का पूरा प्रयास है कि कैसे भी करके विधायकों का समर्थन प्राप्त कर तीसरी बार प्रदेश का मुख्यमंत्री बना जाए। यदि इस बार वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री बनने से चूक जाती है तो फिर उन्हें राजनीति के बियाबान में जाने से कोई नहीं रोक सकेगा। जयपुर में वसुंधरा राजे द्वारा भाजपा विधायकों से फेस टू फेस बातचीत करने के घटनाक्रम पर भाजपा आलाकमान पूरी नजर रखे हुए हैं। मुख्यमंत्री पद की रेस में शामिल अन्य कई नेताओं का मानना है कि पार्टी के विधायक पार्टी के किसी भी नेता से मिलने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन मुख्यमंत्री वही बनेगा जिनका नाम आलाकमान द्वारा घोषित किया जाएगा। राजस्थान में मुख्यमंत्री पद को लेकर वसुंधरा राजे के अलावा विद्याधर नगर सीट पर सबसे अधिक वोटो से जीतने वाली राजसमंद की सांसद दीया कुमारी, झोटवाड़ा से विधायक बने जयपुर ग्रामीण के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, केंद्र सरकार में जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, राज्यसभा सांसद व सवाई माधोपुर से विधायक बने डॉक्टर किरोडी लाल मीणा, केंद्र सरकार में कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, भूपेंद्र यादव, संघ से जुड़े पूर्व संगठन महासचिव प्रकाश चंद्र अग्रवाल, ओम माथुर, तिजारा से नवनिर्वाचित विधायक व अलवर के सांसद बाबा बालक नाथ सहित करीबन एक दर्जन नेताओं के नाम चर्चा में है।, भाजपा में यह तो तय है कि मुख्यमंत्री वही बनेगा जिसका नाम दिल्ली में बैठ बड़े नेता तय करेंगे। मगर मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे सशक्त दावेदार बनकर उभरी वसुंधरा राजे सिंधिया को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बात का अच्छे से पता है कि राजस्थान भाजपा में आज भी वसुंधरा राजे से बड़ा कोई लोकप्रिय चेहरा नहीं है। अगले पांच महीनो के बाद लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। जिसको प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जाएगा उनके कंधों पर लोकसभा चुनाव जीतवाने की जिम्मेदारी भी होगी।

नीट युजी की तैयारी के लिए मेमोरी रिटेंशन में सुधार कैसे करें

लेखक :विजय गर्ग

> यह दृष्टिकोण जानकारी को अधिक प्रभावी ढंग से संसाधित करने और बनाए रखने में सहायता करता है। निमोनिक्स तकनीक लागू करें: परिचित शब्दों या छवियों के साथ जटिल अवधारणाओं को जोड़ने के लिए स्मृति सहायक जैसे निमोनिक्स स्मरणीयता को बढ़ाता है और आसानी से याद करने की सुविधा प्रदान करता है। रात 7-9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद के लिए प्रयास करें, क्योंकि यह स्मृति समेकन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

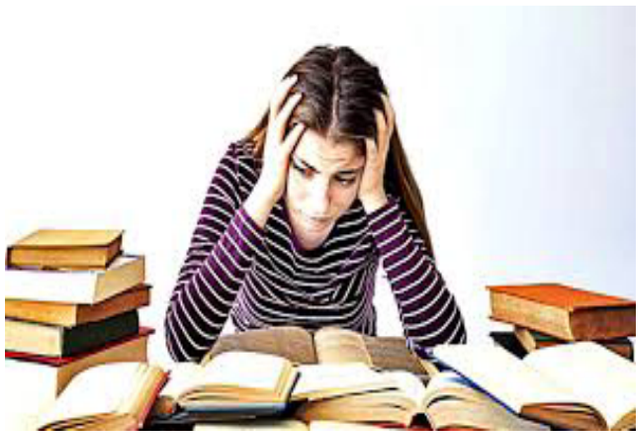

स्नातक, एनईईटी यूजी तैयारी के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में मेमोरी रिटेंशन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जटिल अवधारणाओं को समझने, समस्याओं को हल करने और ज्ञान को वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में लागू करने के लिए जानकारी को प्रभावी ढंग से बनाए रखने और याद रखने की क्षमता आवश्यक है। नीट युजी भारत में प्रमुख मेडिकल प्रवेश परीक्षा है, जो मजबूत अनुशासन और दृढ़ संकल्प की मांग करती है। एनईईटी यूजी के इच्छुक लोग जानकारी को संग्रहीत करने, याद रखने और उपयोग करने में अपने कौशल में सुधार कर सकते हैं, जिससे परीक्षा में सफलता की संभावना बढ़ जाएगी और उनकी शैक्षणिक आकांक्षाएं पूरी हो जाएंगी।

आपकी स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए यहां 10 प्रभावी सुझाव दिए गए हैं: पढ़ने में सक्रिय रूप से संलग्न रहें: मुख्य बिंदुओं को सारांशित करके, प्रश्न पूछकर और मानसिक मानचित्र या आरेख बनाकर सामग्री के साथ सक्रिय रूप से बातचीत करें। यह दृष्टिकोण जानकारी को अधिक प्रभावी ढंग से संसाधित करने और बनाए रखने में सहायता करता है। निमोनिक्स तकनीक लागू करें: परिचित शब्दों या छवियों के साथ जटिल अवधारणाओं को जोड़ने के लिए स्मृति सहायक जैसे संक्षिप्त शब्द, तुकबंदी, या दृश्य संघों का उपयोग करें। निमोनिक्स स्मरणीयता को बढ़ाता है और आसानी से याद करने की सुविधा प्रदान करता है। नींद के महत्व पर जोर दें: हर रात 7-9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद के लिए प्रयास करें, क्योंकि यह स्मृति समेकन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है - अल्पकालिक यादों को दीर्घकालिक भंडारण में बदलना। दूसरों को समझ को मजबूत करना सिखाएं: दूसरों को अवधारणाओं को समझाकर अपनी खुद की समझ और स्मृति बनाए रखने को मजबूत करें। शिक्षण में सक्रिय रूप से जानकारी प्राप्त करना और सीखने की प्रक्रिया को गहरा करना शामिल है। शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा दें: नियमित व्यायाम न केवल समग्र स्वास्थ्य में योगदान देता है बल्कि मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाकर संज्ञानात्मक कार्य और स्मृति को भी बढ़ाता है। यह नई मस्तिष्क कोशिकाओं के विकास को बढ़ावा देता है और तंत्रिका कनेक्शन को बढ़ाता है। रटने से बचें: रटने के बजाय थोड़े-थोड़े अंतराल पर अध्ययन सत्र का विकल्प चुनें, क्योंकि यह विधि याददाश्त को मजबूत करने के लिए अधिक प्रभावी साबित होती है और तेजी से भूलने से रोकती है। नियमित समीक्षाएँ शामिल करें: अपनी याददाश्त को ताजा करने और जानकारी को लुप्त होने से बचाने के लिए पहले से अध्ययन की गई सामग्री को समय-समय पर दोबारा देखें। सक्रिय रिकॉल जानकारी को एन्कोड करने के लिए जिम्मेदार तंत्रिका मार्गों को मजबूत करता है। स्वस्थ आहार अपनाएँ: फलों, सब्जियों, साबुत अनाज और दुबले प्रोटीन से भरपूर संपूर्ण आहार से अपने मस्तिष्क को सहारा दें। ये पोषक तत्व इष्टतम मस्तिष्क कार्य और स्मृति के लिए आवश्यक बिल्डिंग ब्लॉक्स के रूप में काम करते हैं। तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करें: ध्यान, योग या गहरी सांस लेने जैसी तनाव कम करने वाली तकनीकों का अभ्यास करके स्मृति समारोह पर दीर्घकालिक तनाव के नकारात्मक प्रभाव का मुकाबला करें। भावनात्मक भलाई को प्राथमिकता दें। संगठन स्थापित करें: विकर्षणों को कम करने और फोकस बढ़ाने के लिए एक संरचित अध्ययन कार्यक्रम विकसित करें और अव्यवस्था मुक्त वातावरण बनाए रखें, जिससे अंततः बेहतर स्मृति प्रतिधारण को बढ़ावा मिलेगा। विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब

आईईएस अधिकारी जितेश जॉन बने आईडीबीआई के कार्यकारी निदेशक, पढ़ें व्यापार जगत की अहम खबरें

- **केयर रेटिंग्स ने कहा, इस बैठक में आरबीआई वित्त वर्ष 2024 के लिए अपने पहले के विकास अनुमानों को 20-30 बीपीएस तक संशोधित कर सकता है।**

एनटीवी, नई दिल्ली

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक बुधवार से शुरू हो रही है। एमपीसी के नतीजे शुक्रवार को आएंगे। माना जा रहा है कि केंद्रीय बैंक एक बार फिर से रेपो दर को 6.5 फीसदी पर यथावत रख सकता है। भारतीय आर्थिक सेवा के अधिकारी जितेश जॉन ने भारतीय दिवालिया एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। इससे पहले वह ऊर्जा मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। यथावत रह सकती है रेपो दर, एमपीसी बैठक आज से आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक बुधवार से शुरू हो रही है। एमपीसी के नतीजे शुक्रवार को आएंगे। माना जा रहा है कि केंद्रीय बैंक एक बार फिर से रेपो दर को 6.5 फीसदी पर यथावत रख सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों का कहना है कि आरबीआई चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में परिवर्तन नहीं करेगा। केयर रेटिंग्स ने कहा, इस बैठक में आरबीआई वित्त वर्ष 2024 के लिए अपने पहले के विकास अनुमानों को 20-30 बीपीएस तक संशोधित कर सकता है। सेवा क्षेत्र की गतिविधियां एक साल के निचले स्तर पर, नए ऑर्डर घटे देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर, 2023 में घटकर एक साल के निचले स्तर पर आ गईं। कंपनियों को नए आर्डर मिलने की गति घटने और काम पूरा करने की धीमी रफ्तार से यह गिरावट आई है। मंगलवार को जारी एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक पिछले महीने घटकर एक साल के निचले स्तर 56.9 पर आ गया। अक्तूबर में यह 58.4 रहा था। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, भारत के सेवा क्षेत्र ने तीसरी तिमाही के मध्य में ही वृद्धि की गति खो दी। कच्चे माल और काम पूरा करने की दरें आठ माह के निचले स्तर पर फिसल गईं। वैश्विक स्तर पर डीएपी महंगी रही तो खुदरा बाजार में बढ़ेंगी कीमतें वैश्विक स्तर पर डायअमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दरें ऊंची रहती हैं तो घरेलू बाजार में भी खुदरा कीमतें बढ़ सकती हैं। या फिर सरकार इस पर सब्सिडी दे। फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा कि इस समय डीएपी 1,350 प्रति बैग बेची जा रही है। एक बैग 50 किलो की होती है। एसोसिएशन के अध्यक्ष एन सुरेश कृष्णन ने कहा, वैश्विक स्तर पर डीएपी के दाम इस साल 440 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 595 डॉलर हो गए। हालांकि, अब यूरिया खाद के लिए किसी दूसरे देश का मुंह ताकना नहीं होगा। भारत शीघ्र ही यूरिया मैन्यूफैक्चरिंग में भी आत्मनिर्भर होने जा रहा है। देश में 80 लाख टन यूरिया की मैन्यूफैक्चरिंग क्षमता विकसित की जा रही है, जो दो साल में तैयार हो जाएगी। हर साल करीब 350 लाख टन यूरिया की खपत है। इसमें से 285 लाख टन यूरिया का उत्पादन देश में हो रहा है। देश की जरूरत पूरी करने के लिए 70 लाख टन तक यूरिया का आयात करना पड़ रहा है। दूरसंचार राजस्व बढ़कर 80,899 करोड़ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं का सकल राजस्व जून तिमाही में सालाना आधार पर 5.88 फीसदी बढ़कर 80,899 करोड़ रुपये पहुंच गया। ट्राई की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च तिमाही के 85,356 करोड़ रुपये के मुकाबले सकल राजस्व में 5.22 फीसदी गिरावट आई है। अदाणी पोर्ट पर 3 लाख कंटेनरों का आवागमन गुजरात के मुंद्रा में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन ने नवंबर में 97 जहाजों में तीन लाख से ज्यादा कंटेनरों का आवागमन पूरा किया है। समूह के इस कार्य से मुंद्रा पोर्ट में बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिल रहा है।

देश का डाटा सेंटर उद्योग निवेशकों के लिए बन रहा है आकर्षण, पहली छमाही में 21 अरब डॉलर का निवेश

- **सीबीआरई की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, हालिया वैश्विक चुनौतियों के बावजूद इस क्षेत्र में निवेशकों की रुचि बढ़ी हुई है।**

एनटीवी, नई दिल्ली

तेज डिजिटलीकरण, प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे में सुधार, 5जी, कृत्रिम मेधा (एआई), ब्लॉकचेन और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को शामिल करने के कारण भारत में डाटा सेंटर उद्योग में लगातार निवेश आ रहा है। देश में डाटा सेंटर उद्योग में लगातार तेजी देखी जा रही है और यह निवेशकों के लिए एक आकर्षक क्षेत्र बन गया है। निवेशकों ने चालू वर्ष की पहली छमाही के दौरान डाटा सेंटर बाजार में 21.4 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। सीबीआरई की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, हालिया वैश्विक चुनौतियों के बावजूद इस क्षेत्र में निवेशकों की रुचि बढ़ी हुई है। भारत में डाटा सेंटर की क्षमता 2020 से दोगुनी होकर 2023 की पहली छमाही तक 880 मेगावॉट तक पहुंच गई। इसके 2023 अंत तक 1,048 मेगावॉट पहुंचने की उम्मीद है।

इसलिए बढ़ रहा निवेश तेज डिजिटलीकरण, प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे में सुधार, 5जी, कृत्रिम मेधा (एआई), ब्लॉकचेन और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को शामिल करने के कारण भारत में डाटा सेंटर उद्योग में लगातार निवेश आ रहा है।

निवेश पाने वाले शीर्ष राज्यों में उत्तर प्रदेश भी सीबीआरई के अध्यक्ष एवं सीईओ (भारत-दक्षिण पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया व अफ्रीका) अंशुमान मैगजीन ने कहा,

2018 से 2023 की पहली छमाही तक भारत ने 35 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है। निवेश प्रतिबद्धता हासिल करने वाले शीर्ष राज्यों में महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के साथ उत्तर प्रदेश भी शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

शेयर बाजार में बढ़त का दौर जारी, अपने सर्वोच्च स्तर पर सेंसेक्स, निफ्टी 21,000 के करीब

शेयर बाजार में सोमवार-मंगलवार की जबरदस्त बढ़त के बाद बुधवार को भी रिकॉर्डतोड़ तेजी जारी है। बाजार के प्रमुख इंडेक्स हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन भी नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचे।

इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 303 अंकों की बढ़त के साथ पहली बार 69,599 और निफ्टी 100 अंकों की बढ़त के साथ 20,955 के स्तर तक पहुंच गया।

ओबेरॉय रियल्टी ने ठाणे में 196 करोड़ रुपये में 6.4 एकड़ जमीन खरीदी

कंपनी ने मई में महाराष्ट्र के ठाणे में पोखरण रोड-2 स्थित भूमि के अधिग्रहण के लिए एनआरबी बियरिंग्स लिमिटेड के साथ

एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

एमओयू के कुछ नियमों और शर्तों को पूरा करने पर अधिग्रहण पूरा किया जाना था। यही प्रक्रिया अब पूरी हो गई है। ओबेरॉय रियल्टी ने अपनी एक रियल एस्टेट परियोजना के लिए महाराष्ट्र के ठाणे में 196 करोड़ रुपये में 6.4 एकड़ जमीन की खरीद की प्रक्रिया पूरी कर ली है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बातया कि जमीन की रजिस्ट्री का काम पूरा हो गया है। कंपनी ने मई में महाराष्ट्र के ठाणे में पोखरण रोड-2 स्थित भूमि के अधिग्रहण के लिए एनआरबी बियरिंग्स लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

एमओयू के कुछ नियमों और शर्तों को पूरा करने पर अधिग्रहण पूरा किया जाना था। यही प्रक्रिया अब पूरी हो गई है।

रुपया शुरआती कारोबार में दो पैसे की बढ़त के साथ 83.35 प्रति डॉलर पर

एनटीवी, नई दिल्ली

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77.29 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 5,223.51 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी के रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों के सतत पूंजी प्रवाह के बीच बुधवार को शुरूआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ 83.35 पर। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले सतर्क हैं। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति बुधवार को अपनी द्विमासिक समीक्षा बैठक शुरू करेगी। शुक्रवार को निर्णय की घोषणा की जाएगी।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.35 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की बढ़त है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.37 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.93 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77.29 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 5,223.51 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सरकार ने जालसाजों पर की बड़ी कार्रवाई, अवैध निवेश और पार्ट टाइम नौकरी धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट को किया ब्लॉक

एनटीवी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कथित तौर पर संगठित अवैध निवेश और पार्ट टाइम नौकरी घोटालों में शामिल 100 से अधिक वेबसाइटों के खिलाफ कार्रवाई की है।आधिकारिक बयानों के मुताबिक ये वेबसाइटें विदेशियों द्वारा संचालित की जाती हैं। आधिकारिक बयान के मुताबिक आर्थिक अपराधों की आय को कार्ड नेटवर्क क्रिप्टोकरेंसी विदेशी एटीएम निकासी और अंतरराष्ट्रीय फिनटेक कंपनियों जैसे विभिन्न चैनलों के माध्यम से भारत से बाहर स्थानांतरित किया गया था। सरकार ने जालसाजों पर की बड़ी कार्रवाई, अवैध निवेश और पार्ट टाइम नौकरी धोखाधड़ी करने वाली 100 से अधिक वेबसाइट को किया ब्लॉक ये वेबसाइटें संगठित अवैध निवेश और फर्जी पार्ट टाइम नौकरी की पेशकश में सहायता कर रही थी। केंद्र सरकार ने आज जालसाजों पर शिकंजा कसते हुए बड़ी कार्रवाई की है। रिपोर्टों के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 100 से अधिक वेबसाइटों के खिलाफ कार्रवाई की है जो संगठित अवैध निवेश और पार्ट टाइम नौकरी धोखाधड़ी में शामिल थीं।कौन चलाता था ये वेबसाइट? एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ये वेबसाइटें विदेशी व्यक्तियों द्वारा संचालित की जाती थीं। आपको बता दें कि गृह मंत्रालय की शाखा, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (क्14सी) ने अपने नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट (एनसीटीएयू) के माध्यम से पिछले सप्ताह संगठित निवेश और कार्य आधारित पार्ट टाइम नौकरी धोखाधड़ी में शामिल 100 से अधिक वेबसाइटों की पहचान कर और उन्हें ब्लॉक करने की सिफारिश की थी। आधिकारिक बयान के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) ने सूचना टेकनोलॉजी एक्ट 2000 के तहत अपनी शक्ति का इस्तेमाल करते हुए इन वेबसाइटों को ब्लॉक किया है। क्या काम करते थीं ये वेबसाइट? कथित तौर पर ये वेबसाइटें संगठित अवैध निवेश और फर्जी पार्ट टाइम नौकरी की पेशकश में सहायता कर रही थी। विदेश से व्यक्तियों द्वारा संचालित, इन प्लेटफार्मों ने अपनी गतिविधियों को संचालित करने के लिए डिजिटल विज्ञापनों, चैट मैसेंजर और किराए के खातों का उपयोग किया। बयान में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि इन आर्थिक अपराधों से प्राप्त आय को कार्ड नेटवर्क, क्रिप्टोकरेंसी, विदेशी एटीएम निकासी और अंतरराष्ट्रीय फिनटेक कंपनियों जैसे विभिन्न माध्यमों से भारत से बाहर भेजा जा रहा था। क्या है क्14सी? क्14सी देश में साइबर अपराधों से समन्वित और व्यापक तरीके से निपटने के लिए गृह मंत्रालय की एक पहल है।

हिंदुस्तान जिंक इस साल चौथी बार निवेशकों को देगा डिविडेंड, जानिए हर शेयर पर कितनी होगी कमाई

एनटीवी, नई दिल्ली

वेदान्त ग्रुप की कंपनी हिंदुस्तान जिंक ने इस साल चौथी बार डेविडेंट देने का एलान किया है। कंपनी ने डेविडेंट रिकॉर्ड डेट के बारे में भी जानकारी शेयर कर चुकी है। इससे पहले कंपनी ने जनवरी मार्च और जुलाई महीने में डेविडेंट दिया था। मेटल कंपनी अब दिसंबर में 6 रुपये प्रति शेयर डेविडेंट दे रही है। कंपनी ने इस साल अब तक कुल 52 रुपये का डेविडेंट दिया है। हिंदुस्तान जिंक ने डेविडेंट के लिए रिकॉर्ड डेट 14 दिसंबर तय की है। हिंदुस्तान जिंक लाभांश 2023 वेदान्त ग्रुप की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अपने निवेशकों को 6 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का एलान किया है। कंपनी के बोर्ड डायरेक्टर्स ने बुधवार को 300 फीसदी अंतरिम लाभांश के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मेटल कंपनी ने डेविडेंट रिकॉर्ड डेट 14 दिसंबर 2023 तय की है। यह चौथी बार है जब हिंदुस्तान जिंक के शेयर 2023 में एक्स-डिविडेंड कारोबार करेंगे। इससे पहले इस साल कंपनी के शेयर जनवरी, मार्च और जुलाई में एक्स-डिविडेंड कारोबार कर चुके हैं। हिंदुस्तान जिंक लाभांश 2023 डिटेल्स डेविडेंट को लेकर शेयर बाजार को सूचित करते हुए कंपनी कहा, लिस्टिंग रेगुलेशन के तहत वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 6 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के दूसरे इन्टरिम डेविडेंट को बोर्ड डायरेक्टर्स ने मंजूरी दे दी है। इसकी कुल कीमत 2,535.19 करोड़ रुपये है। कंपनी ने डेविडेंट के लिए शेयर की फेस वैल्यू 2 रुपये तय की है। इस तरह वह प्रति इक्विटी शेयर 300 प्रतिशत डेविडेंट ऑफर कर रही है। इसके साथ ही कंपनी ने बताया कि वह निर्धारित समय में डेविडेंट का भुगतान भी करेगी। हिंदुस्तान जिंक, डेविडेंट के लिए रिकॉर्ड डेट को पहले ही कंफर्म कर चुका है। कंपनी यह डेट 14 दिसंबर 2023 तय की है। 2023 में चार बार डेविडेंट वेदांता ग्रुप की सहायक कंपनी का यह इस साल का चौथा डेविडेंट है। यहां हम इससे पहले तीन डेविडेंट के बारे में भी आपको जानकारी शेयर कर रहे हैं। 30 जनवरी 2023 को 13 रुपये प्रति शेयर अंतरिम डेविडेंट दिया था। 29 मार्च 2023 को कंपनी ने प्रति शेयर 26 प्रति का डेविडेंट दिया था। 14 जुलाई 2023 में प्रति शेयर 7 रुपये का अंतरिम डेविडेंट दिया था। इस तरह देखें तो 2023 में हिंदुस्तान जिंक लिमिडेट ने निवेशकों को कुल 52 रुपये का डेविडेंट ऑफर किया है।

हिंदुस्तान जिंक के बोर्ड ने 2,535.19 करोड़ रुपये के लाभांश को मंजूरी दी

एनटीवी, नई दिल्ली

अंतरिम लाभांश का भुगतान निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाएगा। कंपनी ने इस साल जुलाई में सात रुपये प्रति शेयर के अपने पहले अंतरिम लाभांश की घोषणा की थी।

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए छह रुपये प्रति इक्विटी शेयर के दूसरे अंतरिम लाभांश को मंजूरी दे दी है। इनकी कीमत कुल 2,535.19 करोड़ रुपये है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, निदेशक मंडल ने बुधवार छह दिसंबर 2023 को परिपत्र द्वारा पारित प्रस्ताव के जरिए वित्त वर्ष 2023-24 के लिए छह रुपये प्रति इक्विटी शेयर के दूसरे अंतरिम लाभांश को मंजूरी दे दी है। इसकी कुल कीमत 2,535.19 करोड़ रुपये है। अंतरिम लाभांश का भुगतान निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाएगा। कंपनी ने इस साल जुलाई में सात रुपये प्रति शेयर के अपने पहले अंतरिम लाभांश की घोषणा की थी। उद्योगपति अनिल अग्रवाल नीत वेदांता समूह अपना कर्ज कम करने में मदद के लिए अपनी लाभदायक जिंक इकाई हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के बड़े पुनर्गठन पर विचार कर रहा है।

फेसबुक और इंस्टाग्राम यूजर्स को झटका, मेटा बंद करने का जा रहा है यह फीचर

- **अलर्ट में कहा जा रहा है कि दिसंबर के मध्य तक इस सर्विस को बंद कर दिया जाएगा। राहत वाली खबर यह है कि इस सर्विस के बंद होने के बाद भी यूजर्स चैट हिस्ट्री देख सकेंगे।**

एनटीवी, नई दिल्ली

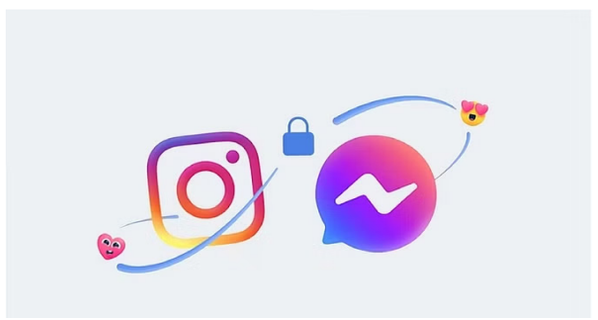

अब इंस्टाग्राम के यूजर्स फेसबुक मैंसेजर में और फेसबुक के यूजर्स इंस्टाग्राम डायरेक्ट मैसेज में मैसेज नहीं कर पाएंगे। मेटा ने यह सुविधा तीन साल पहले दी थी। कंपनी ने इस सर्विस को बंद करने के पीछे के कारण के बारे में जानकारी नहीं दी है।मेटा जल्द ही अपने फेसबुक और इंस्टाग्राम यूजर को बड़ा झटका देने की तैयारी में है। मेटा अपने सोशल प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम पर क्रॉस मैसेजिंग की सुविधा बंद करने जा रही है। अब इंस्टाग्राम के यूजर्स फेसबुक मैंसेजर में और फेसबुक के यूजर्स इंस्टाग्राम डायरेक्ट मैसेज में मैसेज नहीं कर पाएंगे। मेटा ने यह सुविधा तीन साल पहले दी थी। कंपनी ने इस सर्विस को बंद करने के पीछे के कारण के बारे में जानकारी नहीं दी है।

9टू5गूगल की एक रिपोर्ट के मुताबिक इंस्टाग्राम यूजर्स को क्रॉस एप मैसेजिंग को लेकर अलर्ट मिल रहा है।

अलर्ट में कहा जा रहा है कि दिसंबर के मध्य तक इस सर्विस को बंद कर दिया जाएगा। राहत वाली खबर यह है कि इस सर्विस के बंद होने के बाद भी यूजर्स चैट हिस्ट्री देख सकेंगे।

सर्विस के बंद होने के बाद आप नई चैटिंग नहीं कर सकेंगे, लेकिन आए हुए मैसेज देख सकेंगे। इंस्टाग्राम की तरह फेसबुक पर भी इस तरह का अपडेट मिलेगा यानी फेसबुक यूजर्स भी इंस्टाग्राम यूजर्स को मैसेज नहीं कर सकेंगे, लेकिन पुराने चैट देख सकेंगे। इंस्टाग्राम और फेसबुक मैसेंजर एप में क्रॉस मैसेजिंग का फीचर 2020 में लॉन्च हुआ था। इसी साल अगस्त में कंपनी ने कहा था कि क्रॉस मैसेजिंग भी इ2इ एंक्रिप्टेड होगा। कंपनी ने यह भी कहा था कि यह डिफॉल्ट रूप से होगा। यह एंक्रिप्शन कंपनी पहले से ही अपने इंस्टैंट मल्टीमीडिया मैसेजिंग एप व्हाट्सएप के साथ दे रही है।

आपके स्मार्टफोन में वायरस है या नहीं, इन तरीकों से पता करें और ऐसे हटाएं

- **इनकी मदद से हैकर्स आपके पूरे सिस्टम का डाटा ले सकते हैं और यहां तक कि आपके सिस्टम पर कब्जा भी कर सकते हैं और सात समंदर दूर बैठे आपके फोन या कंप्यूटर को ऑपरेट भी कर सकते हैं।**

एनटीवी, नई दिल्ली

मैलवेयर की मदद से हैकर्स आपके पूरे सिस्टम का डाटा ले सकते हैं और यहां तक कि आपके सिस्टम पर कब्जा भी कर सकते हैं और सात समंदर दूर बैठे आपके फोन या कंप्यूटर को ऑपरेट भी कर सकते हैं। वायरस एक तरह के मैलवेयर होते हैं जो खुद को एक नया रूप देने में माहिर होते हैं। रक्तबीज का नाम सुना होगा आपने, ये मैलवेयर भी उसी तरह के होते हैं। एक बार सिस्टम में आने के बाद इनकी संख्या लगातार बढ़ते ही जाती है और ये पूरे सिस्टम में फैल जाते हैं। इनकी मदद से हैकर्स आपके पूरे सिस्टम का डाटा ले सकते हैं और यहां तक कि आपके सिस्टम पर कब्जा भी कर सकते हैं और सात समंदर दूर बैठे आपके फोन या कंप्यूटर को ऑपरेट भी कर सकते हैं।

फोन में वायरस होने की पहचान क्या है?

यदि आपके फोन में मैलवेयर है तो गूगल भी आपको इसके लिए अलर्ट भेजता है। इसके अलावा कई बार फोन में ऐसी जगह पर पॉपअप नोटिफिकेशन देखने को मिलते हैं जहां उन्हें होना ही नहीं चाहिए। फोन का अचानक से स्लो हो जाना भी मैलवेयर के होने की निशानी है।

फोन की स्टोरेज अचानक से फुल हो जाती है तो आपको सतर्क हो जाने की जरूरत है।

आपके फोन का ब्राउजर बार-बार किसी अश्लील या अनजान साइट पर आपको री-डायरेक्ट कर रहा हो।

आपकी फैमिली के लोगों को ऐसे मैसेज मिलने लगते हैं जिन्हें आपने भेजा ही नहीं है। फोन में कैसे पहुंचते हैं वायरस? अनजान लिंक्स पर क्लिक करने के बाद। मेल, व्हाट्सएप या मैसेज के जरिए इस तरह के लिंक भेजे जाते हैं। इन लिंक्स पर जब आप क्लिक करते हैं तो एक साइट ओपन होती है और आपके फोन में वायरस पहुंचते हैं। अनजान या संदिग्ध साइट पर विजिट करने से भी आपके फोन में वायरस आ सकते हैं।

गूगल प्ले-स्टोर या एपल एप स्टोर के अलावा किसी अन्य स्टोर से एप डाउनलोड करने पर।

पब्लिक प्लेस जैसे- होटल, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के वाई-फाई से अपने फोन को कनेक्ट करने पर।

मैलवेयर अटैक से अपने एंड्रॉयड फोन को कैसे बचाएं?

किसी अनजान सोर्स से एप डाउनलोड ना करें।

किसी भी एप को डाउनलोड करने से पहले उसके रिव्यूज पढ़ें और समझें

- **अनजान लिंक्स पर क्लिक करने के बाद। मेल, व्हाट्सएप या मैसेज के जरिए इस तरह के लिंक भेजे जाते हैं। इन लिंक्स पर जब आप क्लिक करते हैं तो एक साइट ओपन होती है और आपके फोन में वायरस पहुंचते हैं।**

कि यह एप आपके डाटा का इस्तेमाल किस तरीके से करने वाला है।

अपने फोन और एप में मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करें। एक ही पासवर्ड का इस्तेमाल सभी अकाउंट या एप के लिए ना करें।

समय-समय पर अपने फोन की कैशे मेमोरी को डिलीट करें।

ब्राउजिंग हिस्ट्री को चेक करते रहें और यदि कोई ऐसी साइट की हिस्ट्री दिख रही है जिसके बारे में आप नहीं जानते हैं तो अलर्ट हो जाएं।

अपने फोन के एप और फोन को अपडेट करते रहें।

जम्मू-कश्मीर विस में कश्मीरी पंडित-पीओके के लिए आरक्षित होंगी सीटें, लोकसभा में पेश विधेयक

एनटीवी, नई दिल्ली

विधेयक पर बहस के दौरान हस्तक्षेप करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले पीएम जवाहर लाल नेहरू की गलतियों को सुधारते हुए इसी संसद में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए को निरस्त किया। शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार लोकसभा में जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 पेश किए गए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को चर्चा का औपचारिक रूप से जवाब देंगे। विधेयकों के कानूनी जामा पहनने के बाद राज्य की विधानसभा में सीटों की संख्या बढ़ कर 114 हो जाएगी। विधानसभा में पहली बार विस्थापित कश्मीरी पंडितों और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लिए क्रमशः दो और एक सीटें आरक्षित होंगी। इन्हें उपराज्यपाल नामित करेंगे। नामित करने के दौरान महिला वर्ग से एक प्रतिनिधि सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। अनुसूचित जनजाति के लिए नौ सीटें आरक्षित की गई हैं, जबकि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 6 से बढ़ा कर 7 कर दी है। वहीं, आरक्षण विधेयक के जरिए राज्य की आरक्षण नीति में व्यापक बदलाव किया गया है। आरक्षण विधेयक के तहत देश के दूसरे राज्यों की तरह ही जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भी ओबीसी, एससी, एसटी और सामान्य वर्ग के गरीबों को आरक्षण की व्यवस्था की गई है। खासबात यह है कि मुस्लिम गुर्जरों के विरोध को सिरे से नकारते हुए पहाड़ी समुदाय से जुड़ी कई जातियों को भी एसटी का दर्जा दिया गया है। सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग में दोनों केंद्रशासित प्रदेशों के पिछड़े घोषित किए गए गांवों, वास्तविक नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को शामिल किया गया है। अनुच्छेद 370-35 (ए) हटने के बाद गली-गली में फहरा रहा तिरंगा अनुराग विधेयक पर बहस के दौरान हस्तक्षेप करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले पीएम जवाहर लाल नेहरू की गलतियों को सुधारते हुए इसी संसद में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए को निरस्त किया। एक वक्त था जब लाल चौक पर विपक्ष के नेता भी झंडा नहीं फहरा सकते थे लेकिन अब सिर्फ लालचौक ही नहीं कश्मीर की गली-गली में झंडा फहराया जा रहा है। ठाकुर ने कहा, अभी चुनाव का जिक्र किया गया। कोरोना के दौरान मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर में पंचायत चुनाव कराये और न सिर्फ कराए गए बल्कि प्रधानमंत्री पंचायतों से मिले भी और यह सुनिश्चित भी किया कि कश्मीर के गांव-गांव तक विकास पहुंचे। ठाकुर ने कहा कि यहां परिवारों के योगदान का जिक्र किया गया लेकिन मैं किसी परिवार पर नहीं जाता। मैं बस यह कहना चाहता हूं कि एक परिवार की भक्ति में यहां लोग महाराजा हरि सिंह का नाम भूल गए। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या महाराज हरि सिंह का कोई योगदान नहीं है? क्या सरदार पटेल का कोई योगदान नहीं, जिन्होंने 500 से अधिक रियासतों को भारत में जोड़कर वर्तमान के मजबूत भारत की नींव रखी। टीएमसी सांसद को गृह मंत्री की खरी-खरी विधेयक पर चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि एक झंडा, एक प्रधान, एक संविधान की अवधारणा कोई राजनीतिक नारा नहीं है। भाजपा इस सिद्धांत पर दृढ़ता से विश्वास करती है और इसे जम्मू-कश्मीर के संबंध में लागू किया है। टीएमसी के सौगत रॉय की ओर से चर्चा के दौरान श्यामा प्रसाद मुखर्जी के कथन ह्यएक निशान, एक प्रधान, एक संविधानह्ल को राजनीतिक नारा बताने पर शाह ने आपत्ति जताते हुए कहा, दादा उमर हो चुकी है! एक देश में दो प्रधानमंत्री कैसे हो सकते हैं? एक देश में दो संविधान कैसे हो सकते हैं? एक देश के दो झंडे कैसे हो सकते हैं? वो गलत है। जिन्होंने भी ये किया था, गलत किया था। नरेंद्र मोदी सरकार ने इसको सुधारने का काम किया है। आपकी सहमति-असहमति से क्या होता है पूरा देश चाहता है। यह चुनावी नारा नहीं है, हम 1950 से कह रहे थे। अनुच्छेद 370 के मुद्दे को उठाते हुए रॉय ने कहा कि अनुच्छेद के खत्म होने के बावजूद राज्य में कोई बदलाव नहीं हुआ है। एनसीपी की सुप्रिया सुले ने भी वहां जल्द विधानसभा चुनाव कराने की मांग की। कांग्रेस के मनीष तिवारी ने सवाल किया कि जब अनुच्छेद 370 खत्म करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कोई फैसला नहीं दिया है तब सरकार ऐसे विधेयक कैसे ला सकती है? उन्होंने दोनों विधेयकों को असांविधानिक बताया।

सुन्दर दीप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में 4 दिवसीय प्लेसमेंट रेडीनेस एनहान्समेंट प्रोग्राम का हुआ आयोजन

गाजियाबाद

गाजियाबाद स्थित, सुन्दर दीप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में रुबीकॉन स्किल डेवलपमेंट प्रा0 लि0 के सहयोग से 4 दिवसीय 29 नवम्बर 2023 से 2 दिसम्बर 2023 तक प्लेसमेंट रेडीनेस एनहान्समेंट प्रोग्राम का आयोजन सुन्दर दीप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के सभी फाइनल ईयर के विद्यार्थियों के लिए किया गया। प्रोग्राम का आरम्भ 29 नवम्बर को दीप प्रज्जवलित करके किया गया। इस प्रोग्राम का उद्देशय सभी फाइनल ईयर के छात्रों को प्लेसमेंट के लिए सभी जरुरी स्किल्स सिखाना था। जिससे सभी छात्रों को इंटरव्यू देने में किसी तरह की परेशानी न हो। इन 4 दिनों की ट्रेनिंग में रुबिकॉन कम्पनी के 4 प्रोफेशनल ट्रेनर्स अरुनेश रावत, रविंद्र सिंह, वरुण खन्ना एवं अमन कुमार द्वारा दी गई। इस ट्रेनिंग में विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट के लिए जरुरी स्किल्स जैसे एक्सपेक्टेशन सेटिंग, आइस ब्रेकिंग, ऑरगनाइजेशनल स्ट्रक्चर, स्वोट एनालिसिस, कॉरपोरेट जार्गनस, पब्लिक स्पीकिंग, प्रेंजेटेशन स्किल्स, ईमेल एटीकेट, ग्रूमिंग, बॉडी लैंगवेज, टेलीफोन एटीकेट, ग्रुप डिस्कशन, पर्सनल इंटरव्यू इत्यादि जैसे महत्वपूर्ण स्किल्स सीखें। सभी विद्यार्थियों ने इस प्रोग्राम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। और इस प्रोग्राम के आयोजन के लिए कॉलेज प्रबंधन की जमकर तारीफ की। इस प्रोग्राम के अंत में समापन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें टेज्नर्स द्वारा चयनित छात्र/छात्राओं को उनके ट्रेनिंग के दौरान बेस्ट परफोर्मेंस के लिए अवार्ड दिये गये। सभी विद्यार्थियों ने चारो ट्रेनर्स को धन्यवाद दिया। और उनके साथ फोटो खिचवायें। इस मौके पर एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के चेयरमैन महेन्द्र अग्रवाल, वाइस चेयरमैन अखिल अग्रवाल, चासंल प्रो. डॉ. के. के. अग्रवाल, वाइस चासंलर प्रो. डॉ शक्ति कुमार, रजिस्ट्रार श्री पीयूष श्रीवास्तव, संस्थान के सभी डायरेक्टरस, प्रिंसपल्स, डीन, एचओडी और प्रोफेर्सस ने इस प्रोग्राम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। अंत में हेड सीआरसी अमित भारद्वाज ने संस्थान के प्रबन्धन पदाधिकारियों, एडमिन स्टॉफ और सभी प्रोफर्सस, डायरोक्टर्स, स्टूडेंट वालिंटिर्स का प्रोग्राम के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर धन्यवाद अर्पित किया।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस पर भड़के अनुराग ठाकुर, बोले- वे सिर्फ हिंदुत्व का अपमान करते हैं

अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि तेलंगाना के होने वाले सीएम ने एक बयान जारी किया था, जिसमें उन्होंने कहा कि तेलंगाना का डीएनए बिहार के डीएनए से बेहतर है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस को चार राज्यों में हार का सामना करना पड़ा। केवल तेलंगाना में कांग्रेस बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाने में कामयाब रही। कांग्रेस की हार के बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हार के बाद कांग्रेस दुर्व्यवहार पर उतर आई है। अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, 'उनकी सोच स्पष्ट है। वे देश की संस्कृति और पहचान को मिटाना चाहते हैं। कुछ लोग टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ खड़े हैं। लेकिन हम देश को बंटने नहीं देंगे। उनकी सोच केवल हिंदुत्व और सनातन धर्म का अपमान करना है। कांग्रेस और उनकी सहयोगी पार्टी लगातार सनातन धर्म को बदनाम करते रहते हैं।'

उन्होंने तेलंगाना के नए सीएम रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा, 'तेलंगाना के होने वाले सीएम ने एक बयान जारी किया था, जिसमें उन्होंने कहा कि तेलंगाना का डीएनए बिहार के डीएनए से बेहतर है। द्रमुख नेताओं का सनातन धर्म, हिंदू और हिंदी बोलने वालों के खिलाफ जानी मानी साजिश है।'

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'दिगविजय सिंह समेत अन्य कई विपक्षी नेता ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है। हार के बाद वह अपने हार की वजहों को नहीं देखते। वे केवल ईवीएम को दोष देते हैं। वे केवल हिंदुओं और सनातन धर्म पर निशाना साधते हैं।'

बता दें कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में जीत हासिल की थी। वहीं कांग्रेस ने तेलंगाना में और जोराम पीपुल्स मूवमेंट मिजोरम में सरकार बनाने में कामयाब रही।

अश्विनी वैष्णव का तंज, भविष्य में चिदंबरम की जगह लेना चाहते हैं रघुराम राजन

एनटीवी, नई दिल्ली

एक निजी चैनल के कार्यक्रम में पत्रकारों ने रघुराम राजन के अगस्त में दिए गए उस बयान पर सवाल किया था, जिसमें जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत भारत में मोबाइल फोन नहीं बनाए जा रहे, उन्हें बस असेंबल किया जा रहा है। रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आरबीआई के पूर्व गवर्नर और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रघुराम राजन पर उनके बयान कि भारत में मोबाइल का निर्माण नहीं हो रहा, के लिए फिर निशाना साधा। उन्होंने चुटकी ली कि हो सकता है रघुराम राजन भविष्य में चिदंबरम बनना चाहते हों। उन्होंने कहा, जब कोई व्यक्ति ईमानदारी खो देता है और मैदान में उतरे बिना, दूसरों के लिए खेलते हुए राजनेता बनने की कोशिश करता है, तो यह पाखंड है। दरअसल, एक निजी चैनल के कार्यक्रम में पत्रकारों ने रघुराम राजन के अगस्त में दिए गए उस बयान पर सवाल किया था, जिसमें जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत भारत में मोबाइल फोन नहीं बनाए जा रहे, उन्हें बस असेंबल किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को कहा, रघुराम राजन बहुत शिक्षित व्यक्ति हैं। वह निर्माण की बारीकियों को अच्छी तरह समझते हैं। वह जानते हैं कि मोबाइल का यहां उत्पादन होता है। राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल होने के बाद आरबीआई के पूर्व गवर्नर के इसी बयान पर वैष्णव ने उन पर राजनीति करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था, राजन किसी और की तरफ से शैडो बॉक्सिंग कर रहे हैं। ये अच्छी बात नहीं है। शैडो बॉक्सिंग में हवा में पंच मारे जाते हैं। इसमें लड़ने के लिए कोई विरोधी नहीं होता है। राजन को जब राजनीति करनी है तो खुलकर सामने आना चाहिए।

गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर लोक सभा में विपक्ष को दिया करारा जबाब...

- एक देश में एक निशान, एक विधान और एक प्रधान ही होना चाहिए और ये हमने करके दिखाया है

नई दिल्ली

देश की आजादी के बाद लंबे समय तक सत्ता में कांग्रेस की सरकार रही लेकिन जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। कांग्रेस की सरकार में जम्मू-कश्मीर के क्या हालात थे, ये सच किसी से छुपा नहीं है। कश्मीर में चारों ओर दंगे फसाद, आतंकी घटनाएं, पत्थरबाजी, जिहादी दंगे, रोते-बिलखते मासूम यही जम्मू-कश्मीर की सच्चाई थी। एक देश का हिस्सा होते हुए भी जम्मू-कश्मीर का अपना झंडा था, अपना संविधान था, यहां तक कि अपनी सरकार भी थी। देश में लंबे समय तक जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35अ को खत्म करने के लिए आवाजें उठती रहीं लेकिन कांग्रेस हर बार इस मांग को सिरे से खारिज करते हुए इस पर बात तक करने से भी इंकार करती रही। कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के चलते जम्मू-कश्मीर की जनता को अंधेरे में रखते हुए अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने का काम किया। किंतु आज मोदी सरकार के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर की एक अलग ही तस्वीर देखने को मिलती है। मोदी सरकार सत्ता में आने से पहले ये संकल्प लेकर आई थी कि वो देश से 2 निशान, 2 संविधान और 2 प्रधान के सिद्धांत को खत्म कर देगी और हुआ भी ऐसा ही। 5 अगस्त, 2019 को मोदी जी के नेतृत्व और अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35अ को सदा के लिए समाप्त कर दिया गया और जम्मू-कश्मीर को हमेशा के लिए भारत का अभिन्न हिस्सा बना दिया गया। संसद के शीतकालीन सत्र में मंगलवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में साफ शब्दों में कहा कि देश में एक निशान, एक विधान और एक प्रधान के सपने को मोदी सरकार ने सच करके दिखाया है।

70 सालों से भाजपा इस नारे को लेकर चल रही है और मोदी-शाह की जोड़ी ने इस नारे को सच करके दिखाया है। गौरतलब है कि धारा 370 और 35अ के निरस्त होने के बाद से जम्मू-कश्मीर में विकास की एक नई बयार चली है। जम्मू-कश्मीर में पर्यटन बढ़ा है, आतंकी घटनाओं में कमी आई है, पत्थरबाजी की घटनाएं न के बराबर सुनने को मिलती है। केंद्र की ओर से लगातार जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए बजट आवंटित किया जाता है। जो जम्मू-कश्मीर आतंकी घटानाओं का गढ़ माना जाता था, आज उसी जम्मू-कश्मीर में शांति का माहौल है। इन सब के बाद ये कहना गलत नहीं होगा कि मोदी सरकार के शासन में जम्मू-कश्मीर की तस्वीर पूरी तरह से बदल चुकी है।

एकता और अखंडता को चुनौती देने वाले असामाजिक लोगों से सचेत रहने का आह्वान किया

डॉ. भरत कुमार, नई दिल्ली

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने जनता से राष्ट्र की एकता और अखंडता को चुनौती देने वाले असामाजिक लोगों से सचेत रहने का आह्वान किया है। वह आज दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आरएसएस के दिग्गज नेता लक्ष्मीनारायण भाला द्वारा लिखित 'संविधान की आत्मकथा' नामक पुस्तक के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

यह चिंता का विषय है कि जिन लोगों ने 1947 में विभाजन की मांग की थी, उनमें से 95 प्रतिशत आज भी भारत में हैं, जो राष्ट्र की एकता और अखंडता को चुनौती दे रहे हैं।उन्होंने कहा कि देश को क्षेत्र, धर्म, जाति और नौकरी में आरक्षण के नाम पर बांटने की कोशिश की जा रही है. हमने प्रत्येक भारतीय नागरिक को समान अधिकार देने के लिए जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को समाप्त कर दिया है। हमें इतिहास से यह समझना होगा कि किन परिस्थितियों में हम पर सदियों तक विदेशियों का शासन रहा। ताकि इसकी पुनरावृत्ति न हो सके. आरएसएस के वरिष्ठ नेता रामलाल जी ने कहा कि भारतीय संविधान की मूल भावना सबको साथ लेकर आगे बढ़ना है.

राज्यसभा के पूर्व महासचिव योगेन्द्र नारायण ने भाला जी द्वारा लिखित पुस्तक के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय संविधान पर पुनर्विचार की आवश्यकता पर बल दिया।श्री लक्ष्मीनारायण भाला ने वर्तमान संदर्भ में पुस्तक लिखने की आवश्यकता के बारे में बात की। समारोह का संचालन अमित जैन ने किया। इस अवसर पर सत्यनारायण जटिया, शूलमणि सिंह और अन्य ने सभा को संबोधित किया।

भारत-रूस का रिश्ता मजबूरी नहीं, मजबूती का, ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट में बोले जयशंकर

एनटीवी, नई दिल्ली

सोमवार को ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रूस के साथ हमारा रिश्ता ऐसा रिश्ता नहीं है, जो एक पल, एक दिन, एक महीने या एक साल में बन गया। यह करीब 60 साल का संचित रिश्ता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर का कहना है कि भारत और रूस का रिश्ता किसी मजबूरी का नाम नहीं, बल्कि मजबूती का नाम है। दोनों देशों की दोस्ती अचानक नहीं हुई है, बल्कि 60 वर्ष के भरोसे की मजबूत बुनियाद पर टिकी है। सोमवार को ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रूस के साथ हमारा रिश्ता ऐसा रिश्ता नहीं है, जो एक पल, एक दिन, एक महीने या एक साल में बन गया। यह करीब 60 साल का संचित रिश्ता है। कहां और कितना निर्भर रहना है भारत का चुनाव उन्होंने कहा, अक्सर पश्चिम में इस रिश्ते को इस तरह से परिभाषित किया जाता है कि मानो भारत के सामने कुछ मजबूरियां हैं या हम रूस पर जरूरत से ज्यादा निर्भर हैं। भारत-रूस के रिश्ते की ऐसी व्याख्या करने वालों को यह समझना चाहिए कि यह भारत का चुनाव है कि वह कहां और कितना निर्भर रहना चाहता है। इसके अलावा यह भी जानें कि इस रिश्ते ने हमें कई बार बचाया है। जयशंकर ने दोनों पक्षों के बीच जुड़ाव के ऐतिहासिक पहलुओं का भी जिक्र करते हुए कहा, अगर यूरेशियन भूभाग को देखें तो यह समझ में आता है कि भारत और रूस के बीच मजबूत संबंध होंगे, क्योंकि यह आपके पड़ोसी के पड़ोसी की राजनीति के सिद्धांत के मुताबिक है।

'संदेह का लाभ जैसे शब्द पत्थर की लकीर नहीं, न्यायिक समीक्षा में फैसले के सार की जांच के लिए कोर्ट बाध्य'

एनटीवी, नई दिल्ली

शीर्ष अदालत ने राम लाल की तरफ से दायर अपील को स्वीकार कर लिया, जिसे भर्ती के लिए आवेदन करने के लिए खुद को वयस्क दिखाने के लिए अपनी जन्मतिथि को 21 अप्रैल 1974 से बदलकर 21 अप्रैल 1972 करने के लिए कांस्टेबल पद से बर्खास्त कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत कुछ आरोपों पर बरी करने के फैसले की पूरी तरह जांच करने के बाद अनुशासनात्मक कार्यवाही में हस्तक्षेप कर सकती है। ऐसे मामलों में संदेह का लाभ या सम्मानजनक बरी किए जाने जैसी शब्दावली उसके लिए कोई पत्थर की लकीर नहीं है। अदालत ने हालिया फैसले में इस टिप्पणी के साथ ही जोधपुर के एक कांस्टेबल की बहाली का आदेश दिया है, जिसे उसकी जन्मतिथि बदलने के कारण बर्खास्त कर दिया गया था। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि कोर्ट न्यायिक समीक्षा में फैसले के सार की जांच के लिए बाध्य है और उसे निर्णयों में अभिव्यक्ति के तौर पर इस्तेमाल शब्दावली पर नहीं जाना चाहिए। पीठ ने कहा, यदि विभागीय जांच और आपराधिक कोर्ट में आरोप समान हैं और यदि सबूत, गवाह और परिस्थितियां एक हैं तो मामला अलग आयाम लेगा। जन्मतिथि में बदलाव का था आरोप शीर्ष अदालत ने राम लाल की तरफ से दायर अपील को स्वीकार कर लिया, जिसे भर्ती के लिए आवेदन करने के लिए खुद को वयस्क दिखाने के लिए अपनी जन्मतिथि को 21 अप्रैल 1974 से बदलकर 21 अप्रैल 1972 करने के लिए कांस्टेबल पद से बर्खास्त कर दिया गया था। नहीं की गई हेराफेरी अदालत ने कहा कि 8वीं कक्षा की मूल मार्कशीट में अपीलकर्ता की जन्मतिथि 21 अप्रैल, 1972 है और उसमें कोई सुधार या हेरफेर नहीं है, इसलिए अपीलकर्ता को दंडित नहीं किया जा सकता। अनुशासनात्मक कार्यवाही के आदेशों पर टिके रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि न केवल आरोप समान थे बल्कि सबूत, गवाह और परिस्थितियां भी समान थीं।

मुख्यमंत्री के चयन में सामाजिक समीकरण साधेगा भाजपा नेतृत्व, पीएम मोदी, नड्डा और शाह ने किया मंथन

- पार्टी सूत्रों का कहना है कि बैठक में विधायक दल की बैठक की तारीख और पर्यवेक्षक के नामों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

एनटीवी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सरकारी आवास पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह के साथ मंगलवार को लंबी चर्चा की। इस दौरान तीनों राज्यों से मिले फीडबैक पर चर्चा हुई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बैठक में विधायक दल की बैठक की तारीख और पर्यवेक्षक के नामों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने और तीन राज्यों में जीत हासिल करने के बाद भाजपा नेतृत्व मुख्यमंत्री पद का चेहरा तय करने के मामले में जल्दबाजी में नहीं है। चूंकि चंद महीने बाद देश में लोकसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में अंतिम फैसला करने से पहले पार्टी नेतृत्व ऐसे चेहरे की तलाश में है जिस पर सर्वसम्मति बनने के साथ उसे लोकसभा चुनाव में सामाजिक समीकरण की दृष्टि से लाभ मिले। हालांकि शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि पार्टी के भविष्य के लिए इन राज्यों में नए चेहरे को पुराने चेहरे पर तरजीह दी जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सरकारी आवास पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह के साथ मंगलवार को लंबी चर्चा की। इस दौरान तीनों राज्यों से मिले फीडबैक पर चर्चा हुई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बैठक में विधायक दल की बैठक की तारीख और पर्यवेक्षक के नामों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इन राज्यों में कौन मुख्यमंत्री बनेगा, इसके लिए पार्टी नेतृत्व नतीजे आने के बाद से ही मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ से फीडबैक ले रहा है। अंतिम फैसला लेते समय इन राज्यों में राजनीतिक और सामाजिक संतुलन का भी ध्यान रखा जाएगा। मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में चुप्पी, राजस्थान में हलचल सीएम के चेहरे के सवाल पर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुप्पी है, मगर राजस्थान का सियासी पारा गरम है। मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि उन्हें केंद्रीय नेतृत्व जो भी जिम्मेदारी देगा, स्वीकार है। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह ने भी ऐसे ही बयान दिए हैं। ऐसे में नेतृत्व को लगता है कि सीएम का चेहरा तय करने में इन दो राज्यों में मशक्कत नहीं करनी होगी। इन राज्यों में पार्टी नेतृत्व क्रमशः पिछड़ा वर्ग और आदिवासी नेता पर दांव लगाएगी। जहां तक राजस्थान का सवाल है तो वहां हलचल तेज है और वसुंधरा राजे अपनी ताकत का इजहार कर रही हैं। इसलिए पार्टी चेहरा तय करते समय अलग-अलग गुट के नेताओं को साधना चाहती है। अगर फीडबैक की प्रक्रिया पूरी हो गई तो चेहरा तय करने के लिए इसी हफ्ते शनिवार या रविवार को संसदीय बोर्ड की बैठक बुलाई जाएगी। कहां फंसा है मामला? दरअसल, इस चुनाव में भाजपा ने तीनों राज्यों में केंद्रीय राजनीति के कई दिग्गजों को मैदान में उतारा था। इसके जरिये पार्टी इन राज्यों के अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान रखने वाले नेताओं को चुनाव लड़ा कर संबंधित क्षेत्र में सियासी लाभ हासिल किया। इनमें से कई दिग्गज चुनाव जीत गए हैं, ऐसे में पार्टी नेतृत्व के सामने संतुलन साधने की समस्या है और फीडबैक के जरिये पार्टी यही कोशिश कर रही है।

टैंपल स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम- डील- 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय : 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट, कार्यालय : 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड़, नियर बैक ऑफ बडौदा दिल्ली110042